राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 03 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-307 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फेंगल तूफान से हुई बारिश से हुआ भूस्खलन, 40 टन वजनी चट्टान घरों पर गिरी,

-सात लोग मलबे में फंसे होने की आशंका, एनडीआरएफ टीम रेस्क्यू में जुटी

तिरुवन्नामलाई। फेंगल तूफान के चलते सोमवार को केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र में भारी बारिश हो रही है। फेंगल तूफान 30 नवंबर को पुडुचेरी के कराईकल और तमिलनाडु के महाबलीपुरम के बीच समुद्र तट से टकराया था। तूफान अब केरल, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश पहुंच गया है। तमिलनाडु में तिरुवन्नामलाई में पहाड़ी पर भूस्खलन हुआ। एनडीआरएफ के मुताबिक करीब 40 टन वजनी चट्टान पहाड़ से लुढ़ककर वीयूसी नगर की सड़क पर बने घरों पर गिरी जिससे 2 घर जमींदोज हो गए। सात लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। कई लोग लापता हैं। टीम हाईड्रोलिक लिफ्ट से चट्टान हटाने की कोशिश कर रही है। तूफान फेंगल रविवार को कमजोर पड़ गया था। इसके असर से हुई मूसलाधार बारिश से 3 लोगों की मौत हो गई थी। पुड्?डुचेरी जिले में 24 घंटे में 49 सेमी बारिश हुई। यह 20 साल की सबसे ज्यादा बारिश है। शहरी इलाकों में पानी भरने से सेना को बुलाया गया। सेना ने 200 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। एक हजार लोगों को राहत शिविरों में भी पहुंचाया गया है। प्रशासन इस स्थिति पर नजर रखे हुए है।

ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग देख पुलिस को हुआ शक, चेक किया तो रह गई हैरान

-बैग में चांदी की सिल्लियां और दूसरे बैग में 375000 रुपए कैश मिला

चंदौली। दिल्ली-हावड़ा रेल रूट के पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन (चंदौली) की जीआरपी ने कार्रवाई करते हुए चांदी तस्करों के गिरोह को दबोचा है। ये गिरोह अवैध रुप से चांदी की खेप लेकर वाराणसी से पश्चिम बंगाल जा रहा था। पुलिस ने पकड़े गए युवकों के पास से एक क्विंटल से ज्यादा चांदी की सिल्लियां बरामद की हैं। साथ ही साथ तीन लाख 75 हजार की नगदी भी बरामद की है। जीआरपी के मुताबिक बरामद की गई चांदी की कीमत एक करोड़ रुपए से ज्यादा है। पुलिस ने इस मामले में इनकम टैक्स और जीएसटी की टीम को भी सूचित किया है और मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। जानकारी के मुताबिक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन की जीआरपी और आरपीएफ की टीम स्टेशन पर रूटीन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान इन तीन युवक जिनके पास ट्रॉली बैग और पिट्ठू बैग मौजूद थे। शक के आधार पर जब उनके सामानों की तलाशी ली गई तो जीआरपी और आरपीएफ के जवान हैरान रह गए। सभी बैग में चांदी की सिल्लियां भरी थीं। साथ ही साथ एक बैग में 375000 रुपए कैश भी था। पुलिस ने जब उनसे चांदी और कैश के बारे में पूछताछ की तो वे संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। उनके पास किसी भी तरह के कोई कागजात नहीं मिले हैं। पुलिस ने तीनों युवको को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में इन लोगों ने बताया कि चांदी की इस खेप को वह बनारस से पश्चिम बंगाल ले जा रहे थे। जीआरपी का कहना है कि इन युवकों ने इससे पहले भी चांदी की तस्करी की थी। अब जीआरपी और आरपीएफ के साथ-साथ जीएसटी और इनकम टैक्स की टीम इनसे पूछताछ कर रही है।

यूपी के जालौन में भारी मात्रा में नकली डीएपी खाद बरामद, पांच आरोपी गिरफ्तार

जालौन। यूपी के जालौन जिले में पुलिस और कृषि विभाग के अधिकारियों ने एक अभियान चलाकर नकली डीएपी खाद बेचने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है और बड़ी मात्रा में नकली डीएपी बरामद की है। यह कार्रवाई जिले के नदी गांव स्थित निखिल खाद भंडार में चल रहे नकली डीएपी निर्माण मामले में की। जालौन एसपी के मुताबिक यह अभियान जिला कृषि अधिकारी के नेतृत्व में कृषि विभाग और स्थानीय पुलिस ने चलाया। अधिकारियों को नदी गांव स्थित एक गोदाम में नकली डीएपी के उत्पादन की सूचना मिली थी, जिसके बाद वहां छापा मारा गया। छापेमारी में अधिकारियों ने गोदाम से 224 बैग नकली डीएपी, एक ट्रक में 616 बैग और एक पिकअप से 57 बैग नकली डीएपी बरामद किया है। इसके अतिरिक्त, खाली डीएपी बैग, सिलाई मशीन और अन्य संबंधित उपकरण भी जब्त किए हैं। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 14 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान आदित्य राठौर, गोविंद तिवारी, धर्मेंद्र गुप्ता, अनुराग याग्निक और विकास चतुर्वेदी के रूप में की है। ये आरोपी इफको डीएपी के नाम से नकली खाद पैकिंग कर रहे थे और इसे जालौन के अलावा पड़ोसी जिलों और मध्यप्रदेश में भी बेच रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस मामले में जांच जारी है।

छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर मुठभेड़, सात नक्सली ढेर, एके-47 सहित कई हथियार बरामद

हैदराबाद । नक्सल विरोधी अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पुलिस ने तेलंगाना के मुलुगु जिले में सात खूंखार नक्सलियों को मार गिराया। एसपी मुलुगु डॉ. शबरीश ने जानकारी देते हुए बताया कि एतुरुनगरम वन क्षेत्र में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। पुलिस ने कहा कि तेलंगाना पुलिस के विशिष्ट नक्सल विरोधी बल और उग्रवादियों द्वारा ग्रेहाउंड्स के बीच इटुरनगरम के वन क्षेत्र में तलाशी अभियान के दौरान मुठभेड़ शुरू हुई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि मुठभेड़ में सात माओवादी मारे गए। घटनास्थल से जब्त किए गए हथियारों में दो एके 47 राइफलें भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए लोगों में से एक की पहचान प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) की तेलंगाना राज्य समिति (येल्लंदु नरसंपेट) के सचिव कुरसम मंगू उर्फ ??भद्रू के रूप में हुई है। पुलिस की ओर से किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। मारे गए चरमपंथियों में शीर्ष माओवादी नेता बदरू के भी शामिल होने का संदेह है। बदरू सीपीआई (माओवादी) की येलंदु-नरसंपेटा एरिया कमेटी का सचिव और प्रतिबंधित संगठन की तेलंगाना राज्य कमेटी का सदस्य था।

कम से कम भागवत की ही सलाह का कर लें सम्मान

-आखिर क्यों दिया खडगे ने आरएसएस प्रमुख का हवाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा की टॉप लीडरशिप को विभाजनकारी रणनीति अपनाने वाली बता देशभर में मस्जिदों और दरगाहों के सर्वेक्षण कराने के प्रयासों का कड़ा विरोध किया है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने इस बीच कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल वक्फ संशोधन विधेयक, 2024 का विरोध कर रहे हैं और इसका विरोध करना जारी रखा जाएगा। उन्होंने भाजपा से संघ प्रमुख के 2022 के बयान का जिक्र करते हुए भाजपा के टॉप लीडर्स से उसे मानने की बात कही।

दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा के टॉप लीडर्स से मोहन भागवत के 2022 के उस बयान पर ध्यान देने को कहा, जिसमें आरएसएस प्रमुख ने कहा था कि हमारा उद्देश्य राम मंदिर का निर्माण करना था और हमें हर मस्जिद के नीचे शिवालय नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने पूजा स्थल अधिनियम 1991 का भी हवाला दिया, जिसे धार्मिक स्थलों की 1947 जैसी स्थिति बनाए रखने के लिए खासतौर पर बनाया गया था। खड़गे की यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा के मद्देनजर आई है। संभल की जामा मस्जिद में सर्वे

को लेकर हुई हिंसा के बाद पूरे देश में तनाव की स्थिति बनने लगी थी, जिसे लेकर विपक्ष एक बार फिर भाजपा लीडरशिप के खिलाफ लामबंद होती दिखी है।

यहां दिल्ली में आयोजित एक रैली के दौरान खड़गे ने कहा, कि पीएम नरेंद्र मोदी कहते हैं एक हैं तो सेफ हैं, लेकिन वे किसी को भी सेफ नहीं रहने दे रहे हैं। आप एकता की बात जरुर करते हैं, लेकिन आपके कार्य इसे धोखा देने जैसे हैं। खड़गे ने कहा कि आपके नेता मोहन भागवत ने तो कहा है कि अब जबकि राम मंदिर बन गया है, तो और अधिक पूजा स्थलों का सर्वे करने की आवश्यकता नहीं है। यदि आप उनके शब्दों का सम्मान करते हैं, तो और कलह क्यों पैदा कर रहे हैं? खड़गे ने बीजेपी से पूछा कि क्या वह लाल किला, ताजमहल, कुतुब मीनार और चार मीनार जैसी संरचनाओं को भी ध्वस्त कर देंगे, जो मुसलमानों ने बनवाई थीं।

गौरतलब है कि नागपुर में संघ शिक्षा वर्ग, तृतीय वर्ष 2022 के समापन समारोह के दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने ज्ञानवापी विवाद को लेकर अपनी एक प्रतिक्रिया में कहा था कि इतिहास वो है जिसे हम बदल नहीं सकते। इस इतिहास को न आज के हिंदुओं ने बनाया और न ही आज के मुसलमानों ने ही इसे बनाया है, यह उस समय घटा.... अब हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों देखना? इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि अब हमको कोई आंदोलन नहीं करना है। हर दिन एक नया मुद्दा नहीं उठाना चाहिए। अब झगड़े क्यों बढ़ाएं? इसे याद करते हुए खड़गे भाजपा नेताओं को सीख दे रहे हैं।

बांग्लादेश में हिंसा : भारत के पर्यटक पर भीड़ ने किया हमला

- अंतरराष्ट्रीय समुदाय सकारात्मक कदम उठाने की कर रहे मांग

कोलकाता । पड़ोसी देश बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के अपदस्थ होने के बाद शुरू हुई हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। खासतौर पर अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हमलों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रही हमलों की एक और घटना सामने आई है, जिसमें एक भारतीय पर्यटक भी शिकार हो गए। पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के बेलघोरिया के निवासी एक पर्यटक ने बताया कि बांग्लादेश में घूमने के दौरान उन पर एक ?हिंसक भीड़ ने हमला किया। उन्हें पहचान के आधार पर हमला किया गया, जब पता चला कि वे भारत से हैं और हिंदू हैं। गहरी चोटें खाकर भारत लौटने की कोशिश करते हुए भारतीय पर्यटक की हालत बहुत खराब हो गई। उन्होंने एंबुलेंस को बुलाया, लेकिन पुलिस ने पहचान पूछी, जिससे मेडिकल सहायता में देरी हुई। बांग्लादेश में बढ़ती हिंसा को लेकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय सकारात्मक कदम उठाने की मांग कर रहे हैं। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने हिंसा को रोकने का आश्वासन दिया है, लेकिन वास्तविकता में कार्रवाई की ज़रूरत है। भारत सरकार से भी बड़े स्तर पर इस मामले में कदम उठाने की मांग है, ताकि इस त्रासदी को रोका जा सके और बांग्लादेश के लोगों को सुरक्षित रहने में मदद मिले।

सुखबीर बादल को अकाल तख्त ने दी सजा, स्वर्ण मंदिर में सेवा का आदेश

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के नेता सुखबीर सिंह बादल को अकाल तख्त ने धार्मिक दुराचार का दोषी मानते हुए सजा सुनाई है। सजा के तहत उन्हें स्वर्ण मंदिर और अन्य पवित्र स्थलों में शौचालयों की सफाई, लंगर हॉल में बर्तन धोने और शबद कीर्तन में सेवा करनी होगी। यह निर्णय 2015 में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को माफी दिलाने के मामले में सुखबीर बादल और उनकी सरकार के अन्य कैबिनेट सदस्यों की भूमिका को लेकर लिया गया है।

जानकारी अनुसार 2015 में अकाली सरकार के दौरान गुरमीत राम रहीम को धार्मिक मामले में दी गई माफी को लेकर सिख पंथ में गहरी नाराजगी पैदा हो गई थी। यह विवाद तब और बढ़ गया था जबकि डेरा प्रमुख ने गुरु गोबिंद सिंह जी की वेशभूषा का अनुकरण करते हुए अमृत छकाने का स्वांग रचा था। इसके खिलाफ सिख समुदाय ने विरोध जताया था और राम रहीम को अकाल तख्त ने सिख पंथ से निष्कासित कर दिया गया था। हालांकि, बाद में अकाली सरकार ने राम रहीम को माफी दिलाई, जिससे पंथ के प्रति गुस्सा और बढ़ गया।

बादल ने गलतियों को स्वीकारा

अकाल तख्त में पेशी के दौरान सुखबीर बादल ने अपनी गलतियों को स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा, कि हमसे कई भूलें हुईं। हमारी सरकार के दौरान बेअदबी की घटनाएं हुईं और दोषियों को सजा दिलाने में हम नाकाम रहे।

सजा का आदेश

अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह ने निर्णय सुनाते हुए कहा, सुखबीर बादल 3 दिसंबर से स्वर्ण मंदिर में दोपहर 12 से 1 बजे तक शौचालय साफ करेंगे। 1 घंटे तक लंगर हॉल में बर्तन धोएंगे। इसके बाद 1 घंटे तक शबद कीर्तन करेंगे। अगले चरण में वह केसगढ़ साहिब, दमदमा साहिब, मुक्तसर साहिब और फतेहगढ़ साहिब में भी सेवा करेंगे।

इसके साथ ही अकाल तख्त ने अकाली दल को 6 महीने में नया अध्यक्ष चुनने का निर्देश दिया है। सुखबीर बादल की यह सजा सिख समुदाय में धार्मिक अनुशासन को मजबूत करने के कदम के रूप में देखी जा रही है, लेकिन इसका राजनीतिक असर भी व्यापक हो सकता है।

किसानों की खुशहाली के बिना भारत विश्व गुरु नहीं बन सकता : कुलतार सिंह संधवां

चंड़ीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय किसान परिषद, संयुक्त किसान मोर्चा समेत कई अन्य संगठन एक बार फिर से अपनी पांच मांगों को लेकर 'दिल्ली कूच' पर अड़े हुए हैं। किसानों के प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। इसी बीच किसानों के प्रदर्शन को लेकर पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां का बयान सामने आया है।

कुलतार सिंह संधवां ने कहा, 'किसान हमारे देश को संकट से बाहर निकालने का काम करते हैं। किसानों के बच्चों ने ही देश को आजादी दिलाई। देश के अन्ने भंडारों को किसानों के बच्चों ने भरा। देश की रक्षा भी किसान के बच्चे करते हैं। मैं यह कहना चाहता हूं कि जो लोग देश को विश्व गुरु बनाना चाहते हैं, वह किसानों की खुशहाली के बिना अपना यह सपना पूरा नहीं कर सकते। अगर देश को विश्व गुरु बनाना है तो किसानों की मांगों को पूरा करना होगा। अगर किसान खुशहाल होगा, तभी देश खुशहाल होगा। किसान की खुशहाली से ही देश की खुशहाली का रास्ताख निकलेगा।'

उन्होंखने कहा कि मैं केंद्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील करता हूं कि वह किसानो की मांगों पर विचार करें और उसे जल्दम से जल्दर हल करने की दिशा में काम करें। भाजपा की तरफ से शहीद भगत सिंह की प्रतिमा के उद्घाटन पर संधवा ने कहा कि अगर भाजपा के लोग इतना सम्मान करते हैं तो क्यों नहीं वो शहीद भगत सिंह को रिकॉर्ड पर शहीद लिखवाते हैं? उसकी नोटिफिकेशन जारी करें। बातों में नहीं एक्शन में भगत सिंह के प्रति सम्मान दिखाई देना चाहिए। किसान को इग्नोर कर रहे हैं और भगत सिंह के सम्मान की बात कर रहे हैं।

वहीं, विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि संविधान के निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर ने हमें इतना अच्छो संविधान दिया है, जो हमें अपने अधिकार वोट के माध्यंम से हमें अपनी पसंद का प्रतिनिधि चुनने का मौका देता है। उपचुनाव के बाद आज हमारे 3 विधायकों को कानूनी तौर पर काम करने का अधिकार मिल चुका है। हम सभी को बधाई देते हैं। मैं उम्मी3द करता हूं कि हमारे सभी विधायक लोगों की उम्मौदों पर खरे उतरेंगे।

हम जमानत देते हैं, अगले दिन आप मंत्री बन जाते हैं, सेंथिल बालाजी केस में सुप्रीम कोर्ट की फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) नेता सेंथिल बालाजी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने के तुरंत बाद तमिलनाडु में एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में बहाल किए जाने पर चिंता व्यक्त की। न्यायमूर्ति ए एस ओका और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ इस बात की जांच करने पर सहमत हुई कि क्या एक मंत्री के रूप में उनकी भूमिका गवाहों पर दबाव डालेगी जब उनके खिलाफ गवाही देने की बात आएगी। अदालत एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें बालाजी को इस आधार पर जमानत देने के 26 सितंबर, 2024 के आदेश को वापस लेने की मांग की गई थी कि उनकी बहाली से गवाह दबाव में आ जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इस आधार पर जमानत दे दी थी कि मुकदमा जल्द शुरू होने की कोई संभावना नहीं है। तीन दिन बाद 29 सितंबर को

बालाजी को एक बार फिर राज्य सरकार में मंत्री बनाया गया।

न्यायमूर्ति ओका ने पूछा कि हम जमानत दे देते हैं और अगले दिन आप जाकर मंत्री बन जाते हैं? कोई भी यह मानने को बाध्य होगा कि वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री के रूप में आपकी स्थिति के कारण अब गवाह दबाव में होंगे। यह क्या हो रहा है? अदालत ने कहा कि वह जमानत देने वाले पूरे फैसले को वापस नहीं लेगी लेकिन गवाहों के दबाव में आने की आशंका की जांच करेगी। आशंका यह है कि विधेय अपराधों में दूसरे प्रतिवादी के खिलाफ आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, गवाह कैबिनेट मंत्री का पद संभाल रहे दूसरे प्रतिवादी के खिलाफ गवाही देने की मानसिक स्थिति में नहीं हो सकते हैं।

अदालत ने कहा कि यह एकमात्र पहलू है प्रथम दृष्ट्या हम आवेदन पर विचार करने के इच्छुक हैं। बालाजी के वकील ने निर्देश लेने के लिए समय मांगा जिसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 13 दिसंबर, 2024 तय की। द्रमुक नेता सेंथिल बालाजी को नौकरी के बदले नकदी घोटाले के सिलसिले में पिछले साल जून में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया गया था। वह तब तमिलनाडु में बिजली, निषेध और उत्पाद शुल्क मंत्री के रूप में कार्यरत थे।

ईवीएम हैक मामले में चुनाव आयोग ने दर्ज करवाया एफआईआर

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बाद ईवीएम का मुद्दा गर्माया हुआ है। सैयद शुजा नाम के शख्स ने दावा किया कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है। इसके बाद चुनाव आयोग ने सैयद शुजा के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। इस शिकायत पर मुंबई साइबर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। बताया गया है कि मुंबई पुलिस ने 30 नवंबर को सैयद शुजा के खिलाफ भारतीय न्याय और आईटी संहिता के तहत एफआईआर दर्ज की है। दरअसल शुजा ने दावा किया कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को लंदन से हैक किया जा सकता है। हालांकि इसके बाद महाराष्ट्र चुनाव आयोग के अधिकारियों ने इस दावे को खारिज कर दिया है। इसके बाद उनकी शिकायत के आधार पर दक्षिण मुंबई साइबर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है।

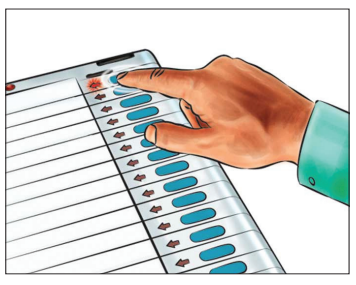

कौन हैं सैयद शुजा ?

2019 में सैयद शुजा का एक वीडियो सामने आया था। इस वीडियो में उन्होंने दावा किया था कि 2014 में लोकसभा चुनाव में ईवीएम हैक कर ली गई थी। शुजा ने कहा कि बीजेपी नेता गोपीनाथ मुंडे का कोई एक्सीडेंट नहीं हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनकी हत्या की गई है। शुजा ने दावा किया था कि गौरी लंकेश और गोपीनाथ मुंडे की मौत का कारण भी ईवीएम से जुड़ा है। हालाँकि, शुजा ने कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया था। शुजा एक साइबर सुरक्षा शोधकर्ता हैं। वह मूल रूप से हैदराबाद के रहने वाले हैं। फिलहाल वह एक अमेरिकी कंपनी में काम करते हैं। शुजा का दावा है कि ईवीएम भारत में बनी है। उनका दावा है कि उन्होंने मशीन बनाने वाली टीम में हिस्सा लिया था। साथ ही उनके दावे के मुताबिक, उन्होंने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स निगम लिमिटेड में भी काम किया है। शुजा का दावा है कि 2014 में उनकी टीम पर ईवीएम हैक करने का दबाव था। हैदराबाद में उनकी टीम पर जानलेवा हमला हुआ। इस हमले में कई साथियों की मौत हो गई। इस घटना के बाद दावा किया गया कि उनकी मौत दंगे में हुई।

महबूबा मुफ्ती देशद्रोह की बातें करती हैं : विश्वास सारंग

भोपाल(एजेंसी)। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जिस तरह से अपने देश में अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे हैं, उससे यह साफ जाहिर होता है कि मौजूदा समय में भारत और बांग्लादेश के बीच अब कोई अंतर नहीं रह गया है। महबूबा के इसी बयान पर अब विश्वास सारंग ने पलटवार करते हुए कहा, ' महबूबा मुफ्ती हर समय देशद्रोह की बातें ही करती हैं। इस देश में मुस्लिम समाज पूरी तरह से अपने अधिकार के साथ रहता है। हिंदुस्तान में इतने मुस्लिम रहते हैं, जितना की इंडोनेशिया को छोड़कर दुनिया के किसी भी मुस्लिम देश में नहीं रहते होंगे।' उन्होंने कहा, 'बांग्लादेश में जो हो रहा है, वो शर्मनाक है।

इस तरह की स्थिति को कहीं पर भी सहन नहीं किया जाएगा। आश्चर्य होता है कि ये लोग खाते हिंदुस्तान का, लेकिन, बातें दूसरे देश की करते हैं। मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि देशद्रोह की बातें करना महबूबा मुफ्ती को महंगा पड़ेगा।' सारंग ने धर्मांतरण को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, 'धर्मांतरण के मामलों को लेकर हमारी सरकार पूरी तरह से सख्त है। हम ऐसे मामलों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। धर्मांतरण के मामलों में पुलिस कानून के तहत कार्रवाई करेगी। स्पष्ट निर्देश है कि मध्य प्रदेश में लालच, दबाव या किसी भी तरह से कराए गए धर्मांतरण को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस तरह के मामलों की पुनरावृत्ति न हो। यह सुनिश्चित करना हमारा काम है।'

भारत की ब्रह्मोस की दुनिया हुई दीवानी, फिलीपींस के बाद अब 3 और देश इस खरीदने को तैयार

ब्रह्मोस मिसाइल को भारत और रुस ने मिलकर बनाया

नई दिल्ली/मास्को (एजेंसी)। भारत और रूस की मिलकर बनाई गई दुनिया की सबसे तेज क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस के प्रति दुनिया की दीवानगी बढ़ती जा रही है। चीन की आक्रामकता से परेशान फिलीपींस के बाद अब 3 और देश ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीद सकते हैं। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के संयुक्त प्रबंध निदेशक रूस के अलेक्जेंडर बी माकसेचिक ने बताया कि चीन का पड़ोसी देश वियतनाम, दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम मुल्क इंडोनेशिया और संयुक्त अरब अमीरात मिसाइल के बारे में बातचीत कर रहे हैं। ब्रह्मोस मिसाइल अपनी स्पीड और सटीक हमले के लिए पूरी दुनिया में जानी जाती है।

ब्रह्मोस मिसाइल को भारत के डीआरडीओ और रूस के एनपीओ मशिनोस्टरॉयएनिया ने मिलकर तैयार किया है। एलेक्जेंडर ने कहा, यूएई, इंडोनेशिया और वियतनाम पहली नजर में मिसाइल में अपनी रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन तीन देशों के साथ ब्रह्मोस मिसाइल की सप्लाई के लिए समझौता हो सकता है। हालांकि उन्होंने नहीं बताया कि मिसाइल डील के लिए यह बातचीत अभी कहां तक पहुंची है। फिलीपीन दुनिया का पहला देश था जो कि ब्रह्मोस मिसाइल खरीद चुका है।

ब्रह्मोस मिसाइल का नाम भारत की ब्रह्मपुत्र और रूस की मोस्कवा नदी के नाम पर रखा गया है। यह मिसाइल भारत की तीनों ही सेनाओं में शामिल है। इस मिसाइल की मारक क्षमता 300 से लेकर 500 किमी तक है। यह मिसाइल स्टील्थ तकनीक से लैस है, इसकारण मार गिराना दुश्मन के लिए आसान नहीं होता है। अब दोनों ही ब्रह्मोस मिसाइल के हाइपरसोनिक संस्करण पर मिलकर काम कर रहे हैं। इस ब्रह्मोस 2 नाम दिया गया है। यह नई मिसाइल मैक 6 की हाइपरसोनिक स्पीड से दुश्मन पर हमला करने में सक्षम होगी।

नई ब्रह्मोस मिसाइल के अंदर हाइपरसोनिक स्क्रैमजेट तकनीक लगेगी। इसके पहले फिलीपीन ने भारत के साथ साल 2022 में 37 करोड़ 50 लाख डॉलर का समझौता किया था। भारत ने फिलीपीन को एंटी शिप ब्रह्मोस मिसाइल की सप्लाई भी कर दी है। दुनिया में बढ़ रहे तनाव के बीच अब यूएई, इंडोनेशिया और वियतनाम भी भारत-रूस की इस मिसाइल की ओर देख रहे हैं। भारत के इन तीनों ही देशों के साथ करीबी संबंध हैं। वियतनाम और इंडोनेशिया जहां चीन की दादागिरी से परेशान हैं, वहीं यूएई को ईरान और उसके प्राक्सी संगठनों के मिसाइलों से डर सताता रहता है। इसकारण वहां भी भारत के ब्रह्मोस की तरफ देख रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर भारत

(लेखक - ललित गर्ग)

अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साख एवं सीख के कारण भारत दुनिया का सिरमौर बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में 5 दिन के विदेश दौरे में तीन देशों की यात्रा की और 31 ग्लोबल लीडर्स और वैश्विक संगठनों के प्रमुखों के साथ मुलाकात की। मोदी की विदेश यात्राओं से विश्व में भारत का न सिर्फ सम्मान बढ़ रहा है बल्कि दुनिया का हमारे देश के प्रति नजरिया भी बदल रहा है। भारत का हमेशा से मानना रहा है कि दुनिया के शीर्ष ताकतों को सिर्फ अपने बारे में नहीं सोचना चाहिए। आर्थिक रूप से संपन्न देशों को छोटे-छोटे देशों के हितों का भी उतना ही ख्याल रखना होगा। प्रधानमंत्री के एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का मंत्र इस बात की ओर ही संकेत है। भारत में वैश्विक विकास को फिर से पटरी पर लाने, युद्धमुक्त दुनिया बनाने, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन जैसे वैश्विक चिंता के प्रमुख मुद्दों पर दुनिया की अगुवाई करने की क्षमता है। इस पहलू को अब दुनिया की तमाम बड़ी शक्तियां भी स्वीकार करने लगी हैं। मोदी ने बार-बार कहा है भारत 卐वसुधैव कुटुम्बकम卐 की भावना से काम करता है, जिसमें छोटे-छोटे देशों के हितों को पूरा करने के लिए समान विकास और साझा भविष्य का संदेश भी निहित है, जो भारत की आशावादी एवं समतामूलक सोच को दर्शाता है। भारत को स्वर्णिम भारत, अच्छा भारत, रामराज्य का भारत या दुनिया का सिरमौर इसलिये कहा जाता है कि यह वो देश है जहाँ से दुनिया ने शून्य को जाना। खेल, पर्यटन और फिल्मों से जिसको पहचाना जाता है। जिसकी अंतरिक्ष में पहुँच, तकनीकी प्रतिभाओं से विश्व ने भी भारत का लोहा माना है। बिना रक्त क्रांति के जिसने पायी थी आजादी। भारत दुनिया को बाजार नहीं, एक परिवार मानता है। संतों के सान्निध्य में चलने वाली भारत की व्यवस्था पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शन हैं। मानव सभ्यता के 95 प्रतिशत समय तक भारत दुनिया को खनिज, मसाले और धातुओं के साथ ही धर्म, गणित एवं खगोलशास्त्र की अवधारणाएं देता रहा। जब सारी दुनिया भटकती है तब भारत उसका मार्ग प्रशस्त करता है। भारत टकराव और संघर्ष को मानवता के लिए खतरा मानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मौजूदा दौर में हमें अपने अस्तित्व ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिए लड़ने की जरूरत है। भारत ने अपनी विदेश नीति के जरिए हमेशा ही ये संदेश दिया है कि आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, गरीबी, आतंकवाद, युद्ध और महामारी जैसी जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनका समाधान आपस में लड़कर नहीं बल्कि मिलकर काम करके ही निकाला जा सकता है। आज दुनिया में ऐसी ही संवेदनशील अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण की चर्चा हो रही है जहां समाज कल्याण एवं जीडीपी विकास दोनों का सह-अस्तित्व हो और नागरिकों की प्रसन्नता सर्वोपरि हो। भारत ऐसी ही अर्थव्यवस्था यानी संवेदनशील वैभव के सदुपयोग को खुशहाल जीवन और दीर्घकालिक आत्मनिर्भर समाज का आधार मानते हुए आगे बढ़ रहा हैं। भारतीय सभ्यता सदा से धन और दान दोनों को सर्वोच्च मानती है। हमारे ऋषियों-मनीषियों ने वाकपटुता, सहायता करने की तत्परता, शत्रुओं से निपटने की बुद्धिमत्ता, स्मृति, कौशल, नैतिकता एवं राजनीति का ज्ञान आदि गुणों को सफल नेतृत्व का आधार बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं गुणों के बल पर भारत को दुनिया में अव्वल स्थान पर पहुंचाया हैं। भारत के पास सबसे मजबूत लोकतंत्र है, विविधता है, स्वदेशी एवं समावेश सोच, आदर्श जीवनशैली, वैश्विक सोच है और दुनिया इन्हीं आइडियाज में अपनी सभी चुनौतियों का समाधान देख रही है। आज अमेरिकी अपनी गिरती साख को लेकर चिन्तीत है। यूरोपीय संस्कृति ऐसी रही है, जिसमें उन वस्तुओं पर भी पैसा बहाया गया, जिनकी उन्हें कभी जरूरत ही नहीं थी। चीन ने कारोबार और नीतियों का ऐसा रास्ता अपनाया, जिसमें कोई नैतिकता नहीं। रूस अपने शत्रु को आंकने में गलती कर गया और एक अंतहीन से युद्ध में उलझकर रह गया। दुनिया में मची इस उथल-पुथल के बीच ऐसा लगता है कि केवल भारत ही ऐसी प्रमुख शक्ति है, जिसने ऐसा रास्ता चुना जो कूटनीतिक समझ और नैतिकता से भरा है। साथ ही, उसने एक स्थिर अर्थव्यवस्था के वैश्विक ब्रांड के रूप में खुद को स्थापित किया है, जिसके साथ दुनिया व्यापार करना चाहती है। ये सब इसी कारण संभव हुआ, क्योंकि हम अपनी संस्कृति से जुड़े हैं, हमारा नेतृत्व संस्कृति से जुड़ा एक महान् कर्मयोद्धा कर रहा है। दुनिया पिछले हजारों सालों से सुखों के लिए दौड़ रही है लेकिन इस दौड़ में हार चुकी है। अब उसकी नजर भारत पर है। देश को अपनी सारी शक्ति एकजुट करनी होगी। सारी दुनिया में कट्टरपंथ और उदारता के बीच लड़ाई चल रही है। कपट और सरलता के बीच संघर्ष चल रहा है। देश को अपने मूल्यों को स्थापित करने के लिए सेनापति की भूमिका निभानी होगी और उसके लिये उसकी तैयारी भी है। वर्तमान में भारत आर्थिक, सामरिक, वैज्ञानिक तथा ज्ञान के क्षेत्र में विश्व का सिरमौर बन रहा है, यह अच्छा संकेत है। अन्यान्य क्षेत्रों के साथ भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया का सिरमौर है। सौर ऊर्जा उत्पादन में भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। इसलिए सारा संसार भारत की ओर बड़ी आशा और विश्वास के साथ देख रहा है। परन्तु अनेकानेक विशेषताओं एवं विलक्षणताओं के बीच कुछ विसंगतियां एवं विषमताएं भी हैं। भारत की अस्मिता का प्रतीक मातृशक्ति की आज सर्वत्र अवमानना की जा रही है। चरित्रहीनता, भ्रष्टाचार और संवेदनहीनता से जूझता हुआ हमारा भारतीय समाज भोगवादी संस्कृति का आदी हो चुका है। अपने देश में भारत के हित में विचार करनेवाले, समाज की उन्नति के संबंध में चिंतन करनेवाले लोगों की कमी नहीं है। फिर भी आज देश की व्यवस्था में राष्ट्रभक्तों का अभाव दिखता है, संकीर्ण राजनीति एवं सत्ता की दौड़ में मूल्यों को धुंधलाने की स्थितियां कमजोर करती है। यही कारण है कि संपूर्ण देश में एक असंतोष की भावना दिखाई देती है। सरकारी यंत्रणाओं के प्रति जनमानस का विश्वास प्रायः लुप्त होता जा रहा है।

शिक्षा के क्षेत्र में नये परचम फहराने वाले युवाओं, घर को संस्कारों से संवर्धित करनेवाली नारीशक्ति, संपूर्ण भारत के जीवन को पोषित करनेवाले हमारे अन्नदाता किसान भाइयों तथा खेतों, कारखानों तथा सर्वत्र मजदूरी करनेवाले श्रमिकों, वन-संस्कृति का जतन करनेवाले वनवासी भगिनी-बंधुओं के आत्मविश्वास, लगन तथा परिश्रम के जागरण से भारत दुनिया में अव्वल होने की दिशा में अग्रसर है। देश का शिक्षित, प्रबुद्ध तथा समृद्ध समाज को दीन-दलितों, अशिक्षितों तथा असहाय लोगों के उत्थान के लिए आगे आना होगा। अंतर्राष्ट्रीय संगठन डेलायट ने अपनी हालिया रिपोर्ट में वर्ष 2030 तक भारत के चीन और अमेरिका जैसी विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़कर दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता बाजार के रूप में उभर कर सामने आने की आशा व्यक्त की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के मध्यम वर्ग का दायरा काफी तेजी से बढ़ रहा है जिसके कारण बाजार तक पहुंच रखने वाले लोगों की संख्या भी बढ़ रही है। व्यापार की नीतियों में उदारीकरण और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बढ़ने का असर उपभोक्ता बाजार पर दिख रहा है, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और उत्पादों के निर्यात में बढ़ोत्तरी ने भी उपभोक्ता बाजार का आकार बढ़ाने में सहायता की है। हमें राष्ट्र को आर्थिक, सामाजिक, वैज्ञानिक तथा सामरिक दृष्टि से सबल बनाना होगा। भारत को दुनिया का सिरमौर देखने की कामना करने वाले लोगों से अपेक्षा है कि वे जागे, कुछ नया और अनूठा करें। आनेवाली पीढ़ियां तुम्हें निहार रही हैं। भारत का भविष्य अब युवाओं पर ही निर्भर है। उठो, जागो और समस्त दायित्व अपने कंधों पर ले लो। और जान लो कि तुम ही अपने भाग्य के विधाता हो। जितनी शक्ति और सहायता चाहिए वह सब तुम्हारे भीतर है। अतः अपना भविष्य स्वयं गढ़ों। मानव चिंतन के शीर्ष पर रहने वाला भारतीय समाज 300 वर्षों के अंतराल के बाद अपने ऐतिहासिक गौरव को फिर से पाने के पथ पर अग्रसर है। मध्यकाल में राह भटकने के बाद आज देश की युवा पीढ़ी एक ऐसे भारत में आगे बढ़ रही है, जो अवसर, संस्कृति और प्रगति का देश है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

> भारत के पास सबसे मजबूत लोकतंत्र है, विविधता है, स्वदेशी एवं समावेश सोच, आदर्श जीवनशैली, वैश्विक सोच है और दुनिया इन्हीं आइडियाज में अपनी सभी चुनौतियों का समाधान देख रही है। आज अमेरिकी अपनी गिरती साख को लेकर चिन्तीत है। यूरोपीय संस्कृति ऐसी रही है, जिसमें उन वस्तुओं पर भी पैसा बहाया गया, जिनकी उन्हें कभी जरूरत ही नहीं थी। चीन ने कारोबार और नीतियों का ऐसा रास्ता अपनाया, जिसमें कोई नैतिकता नहीं। रूस अपने शत्रु को आंकने में गलती कर गया और एक अंतहीन से युद्ध में उलझकर रह गया।

संपादकीय

ग्लेशियर संकट

हम केदारनाथ संकट के उन भयावह परिणामों को नहीं भूल सकते, जब हिमनद पिघलने से बनी झील के टूटने से तबाही का मंजर पैदा हुआ था। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग के संकट के चलते ग्लेशियर पिघलने से हिमालयी क्षेत्रों में कई कृत्रिम झीलें बन रही हैं। इस बाबत केंद्रीय जल आयोग की हालिया रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। जिसका संज्ञान लेते राष्ट्रीय हरित पंचाट ने केंद्र सरकार को सचेत करते हुए इस बाबत आवश्यक कदम उठाने को कहा है। जिससे भविष्य में किसी आपदा की आशंका को टाला जा सके। यदि समय रहते सरकार आवश्यक कदम उठाती है तो हिमनदों को संरक्षण की कोशिशें तेज की जा सकती हैं। साथ ही जरूरी है कि झीलों के टूटने की स्थिति में नदियों में अधिक जल प्रवाह के प्रबंधन की रणनीति पर भी विचार किया जाए। यह एक टकसाली सत्य है जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। मानसून के दौरान बारिश के पैटर्न में आए बदलाव ने बड़े पैमाने पर भूस्खलन को अंजाम दिया है। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग के चलते तेज बारिश कम समय में ही बरस जाती है। साथ ही बादल फटने की घटनाओं में खासी तेजी आई है। कमोबेश यही स्थिति ग्लेशियरों के पिघलने में आई तेजी में नजर आती है। दरअसल, जलवायु संकट के घातक प्रभाव सारी दुनिया में नजर आ रहे हैं। कहीं अतिवृष्टि तो कहीं सूखे की स्थिति है। हिमनदों के पिघलने से न केवल समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है, बल्कि उसके तापमान में भी बदलाव देखा जा रहा है। वहीं चक्रवाती तूफान अमेरिका से लेकर एशियाई देशों में कहर बरपा रहे हैं। कुल मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से मानवता के अस्तित्व पर संकट की आहट महसूस हो रही है। लेकिन हिमालयी क्षेत्रों में हिमनदों के पिघलने से कृत्रिम झीलों का आकार बढ़ना एक खतरे की घंटी जैसा है। जिससे न केवल गंगा बल्कि ब्रह्मपुत्र जैसी बड़ी नदियों के जल प्रवाह में अप्रत्याशित बदलाव की आशंका बलवती हो रही है। जिससे न केवल जल के स्तर में अप्रत्याशित बदलाव होंगे, बल्कि जैव विविधता के लिये भी खतरा पैदा हो जाएगा। यदि झीलों के फटने से नदियों में बाढ़ की स्थिति बनती है तो निचले इलाकों में रहने वाले लाखों लोगों के जीवन के लिये खतरा पैदा हो सकता। बताया जाता है कि देश में करीब 67 ऐसी झीलों को चिन्हित किया गया है, जिनके क्षेत्रफल में चालीस फीसदी तक की वृद्धि हुई है। जिससे उत्तराखंड, लद्दाख व हिमाचल के कुछ इलाके प्रभावित हो सकते हैं। जो जरूरत बताता है कि समय रहते पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित की जाए। साथ ही आपदा प्रबंधन के लिये जरूरी कदम भी उठाये जाएं। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय हरित पंचाट की सिफारिशों पर गंभीरता से विचार करेगी। जिससे हिमनदों के संरक्षण व नदियों के जल प्रवाह के नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें। साथ ही हमें देश में ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने तथा प्रकृति के अनुरूप विकास योजनाएं बनाने की जरूरत है।

अच्छी संगत व माहौल हमारी काबिलियत का लोहा मनवाने में मील का पत्थर साबित होगा

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानीं)

हजारों वर्ष पुरानी भारतीय संस्कृति के बारे में कहा जाता है कि सृष्टि में मानवीय योनि की पहचान यहीं से हुई है, जो बंदरों से विकसित होते हुए मानवीय योनि तक विकसित हुई और बौद्धिक क्षमता का विकास होते गया, जिसकी भव्यता हम वर्तमान स्तर में देख रहे हैं कि मानवीय योनि ने दुनियाँ को कहां से कहां और कैसी डिजिटल स्थिति में पहुंचा दिया कि,साक्षात मानवीय आकृति रोबोट बना दिया जो पूरी तरह से मानवीय कार्य करने में सक्षम है, जो मानवीय बौद्धिक क्षमता का प्रमाण है। परंतु अगर हम इस तकनीकी प्रौद्योगिकी मेड मानव से हटकर सृष्टि रचयिता मानव में तकनीकी स्तरपर गुणों, व्यक्तित्व का विकास करने पर ध्यान दें तो हर मानवीय जीव अपने अपने स्तरपर एक अनोखा इतिहास रच सकते हैं, जिसके सहयोग से हम विश्व को कहां से कहां ले जा सकते हैं। चूंकि हम यहां मानवीय गुणों के विकास की बात कर रहे हैं तो सबसे महत्वपूर्ण गुण मानवीय व्यक्तित्व व उसकी संगत है क्योंकि मनुष्य जिसकी संगत में रहता है उसी के ही नक्शे कदम पर चलता है, किस हालत में कहां पैदा हुआ है उससे फर्क नहीं पड़ता,परंतु किस संगति में रह रहे हैं किन लोगों के साथ उठना बैठना बातचीत है, कैसे लोगों के माहौल में रह रहे हैं, यह हमारी सोच और सोचनें की प्रवृत्ति बनाते हैं,जो हमारी जिंदगी बनाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करती है, इसलिए हमें गलत माहौल से निकाल कर अच्छे माहौल में रहने के सुझाव को रेखांकित करना होगा जो हर मानव अपने आप में पहचानकर उसमें अपने आप को ढाले तो वह स्वयं इतिहास रच सकता है। इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,अच्छी संगत व माहौल हमारी काबिलियत का लोहा मनवाने में मील का पत्थर सटीक साबित होगा।

साथियों बात अगर हम भारतीय संस्कृति में पले मानवीय जीव की करें तो मेरा मानना है कि सदियों से हर मानवीय जीव की अभिलाषा रहती है कि मेरे बच्चे इतनी ऊंची सकारात्मक तरक्की करें कि मैं अपने बच्चों के नाम से पहचाना जाऊं कि यह फ़लाने के पिता हैं! बिल्कुल सही बात! बस! इसके लिए हर व्यक्ति को चाहे वह मेल हो या फीमेल उसके संबंध में माता-पिता शिक्षक समाज सबका एक ही लक्ष्य होना चाहिए कि अपने बच्चों के व्यक्तित्व को निखारें उसके सही संगत में रहने का ध्यान रखेंक्योंकि हर बालक अनगढ़ पत्थर की तरह है जिसमें सुन्दर मूर्ति छिपी है, जिसे शिल्पी की आँख देख पाती है। वह उसे तराश कर सुन्दर मूर्ति में बदल सकता है। क्योंकि मूर्ति पहले से ही पत्थर में मौजूद होती है शिल्पी तो बस उस फालतू पत्थर को जिसमें मूर्ति ढकी होती है, एक तरफ कर देता है और सुन्दर मूर्ति प्रकट हो जाती हैमाता-पिता शिक्षक और समाज बालक को इसी प्रकार सँवार कर खूबसूरत व्यक्तित्व प्रदान करते हैं। एक अच्छे व्यक्तित्व निर्माण के मूल्यों के नियम बच्चों में रखना जरूरी है। इसलिए सबसे पहले बच्चों में या हमने खुद में समझदारी, धैर्य, उच्च विचार, गुस्से पर कंट्रोल सच्चाई पारदर्शिता को अपनाकर खुद को पहचाने जो बच्चे को अच्छे माहौल में रखकर प्राप्त किया जा सकता है। साथियों बात अगर हम अपने व्यक्तित्व की करें तो, हर मनुष्य का अपना-अपना व्यक्तित्व है। वही मनुष्य की पहचान है। कोटि-कोटि मनुष्यों की भीड़ में भी वह अपने निराले व्यक्तित्व के कारण पहचान लिया जाएगा। यही उसकी विशेषता है,यही उसका व्यक्तित्व है। प्रकृति का यह नियम है कि एक मनुष्य की आकृति दूसरेसे भिन्न है।आकृति का यह जन्मजात भेद आकृति तक ही सीमित नहीं है; उसके स्वभाव, संस्कार और उसकी प्रवृत्तियों में भी वही असमानता रहती है। व्यक्तित्व-विकास में वंशानुक्रम तथा परिवेश दो प्रधान तत्त्व हैं। वंशानुक्रम व्यक्ति को जन्मजात शक्तियाँ प्रदान करता है। परिवेश उसे इन शक्तियों को सिद्धि के लिए सुविधाएँ प्रदान करता है।बालक के व्यक्तित्व पर सामाजिक परिवेश प्रबल प्रभाव डालता है।ज्यों-ज्यों बालक विकसित होता जाता है, वह उस समाज या समुदाय की शैली को आत्मसात् कर लेता है, जिसमें वह बड़ा होता है और उस व्यक्ति के गुण ही व्यक्तित्व पर गहरी छाप छोड़ते हैं। साथियों सब बच्चे जुदा-जुदा परिस्थितियों में रहते हैं। उन परिस्थितियों के प्रति मनोभाव बनाने में भिन्न-भिन्न चरित्रों वाले माता-पिता से बहुत कुछ सीखते हैं। अपने अध्यापकों से या संगी-साथियों से भी सीखते हैं। किन्तु जो कुछ वे देखते हैं या सुनते हैं, सभी कुछ ग्रहण नहीं कर सकते। वह सब इतना परस्पर-विरोधी होता है कि उसे ग्रहण करना सम्भव नहीं होता। ग्रहण करने से पूर्व उन्हें चुनाव करना होता है। स्वयं निर्णय करना होता है कि कौन-से गुण ग्राह्य हैं और कौन-से त्याज्य। यही चुनाव का अधिकार बच्चे को भी आत्मनिर्णय का अधिकार देता है। प्रत्येक मनुष्य के मन में एक ही घटना के प्रति जुदा-जुदा प्रतिक्रिया होती है। एक ही साथ रहने वाले बहुत-से युवक एक-सी परिस्थितियों में से गुज़रते हैं, किन्तु उन परिस्थितियों को प्रत्येक युवक भिन्न दृष्टि से देखता है, उसके मन में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं होती है। यही प्रतिक्रियाएं हमें अपने जीवन का दृष्टिकोण बनाने में सहायक होती हैं।हम अपने मालिक आप हैं,अपना चरित्र स्वयं बनाते हैं। ऐसा न हो तो जीवन में संघर्ष ही न हो; परिस्थितियां स्वयं हमारे चरित्र को बना दें, हमारा जीवन कठपुतली की तरह बाह्य घटनाओं का गुलाम हो जाए। सौभाग्य से ऐसा नहीं है। मनुष्य स्वयं अपना स्वामी है। अपना चरित्र वह स्वयं बनाता है। चरित्र-निर्माण के लिए उसे परिस्थितियों को अनुकूल या सबल बनाने की नहीं बल्कि आत्मनिर्णय की शक्ति को प्रयोग में लाने की तात्कालिक आवश्यकता है।

साथियों बात अगर हम व्यक्तित्व विकास में खुद की पहल की करें तो, हमेशा अपने से स्वयं कहें ! मैं कर सकता हूं, ये मेरे लिए है। इससे जीवन में आगे बढ़ने का प्रोत्साहन मिलता है। साथ ही इससे आत्म सम्मान बढ़ता है और व्यक्तित्व में भी निखर आता है। अपने अन्दर अच्छा व्यक्तित्व विकास लाने का एक और सबसे बाड़ा कार्य है अपने विश्वदृष्टि में बदलाव लाना। दूसरों की बात को ध्यान से सुनें और अपने दिमाग के बल पर अपना सुझाव या उत्तर दें। अपने फैसलों को खुद के दम पर पूरा करें क्योंकि दूसरों के फैसलों पर चलनाया कदम उठान असफलता का कारण है। चाहें हमारी बातें हो या हमारे कार्य, सभी जगह सकारात्मक सोच का होना अच्छे व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत आवश्यक है। हमारे सोचने का तरीका यह तय करता है कि हम अपना कार्य किस प्रकार और किस हद तक पूरा कर सकेंगे।

(चिंतन-मनन)

गुरु का पाठ

गंगा के किनारे बने एक आश्रम में महर्षि मुद्गल अपने अनेक शिष्यों को शिक्षा प्रदान किया करते थे। उन दिनों वहां मात्र दो शिष्य अध्ययन कर रहे थे। दोनों काफी परिश्रमी थे। वे गुरु का बहुत आदर करते थे। महर्षि उनके प्रति समान रूप से स्नेह रखते थे। आखिर वह समय भी आया, जब दोनों अपने-अपने विषय के पारंगत विद्वान बन गए। मगर इस कारण दोनों में अहंकार आ गया। वे स्वयं को एक-दूसरे से श्रेष्ठ समझने लगे। एक दिन महर्षि स्नान कर पहुंचे तो देखा कि अभी आश्रम की सफाई भी नहीं हुई है और दोनों शिष्य सोकर भी नहीं उठे हैं। उन्हें आश्चर्य हुआ क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं होता था। महर्षि ने जब दोनों को जगाकर सफाई करने को कहा तो दोनों एक-दूसरे को सफाई का आदेश देने लगे। एक बोला-मैं पूर्ण विद्वान हूं। सफाई करना मेरा काम नहीं है। इस पर दूसरे ने जवाब दिया-मैं अपने विषय का विशेषज्ञ हूं। मुझे भी यह सब शोभा नहीं देता। महर्षि दोनों की बातें सुन रहे थे। उन्होंने कहा- ठीक कह रहे हो तुम लोग। तुम दोनों बहुत बड़े विद्वान हो और श्रेष्ठ भी। यह कार्य तुम दोनों के लिए उचित नहीं है। यह कार्य मेरे लिए ही ठीक है। उन्होंने झाड़ू उठाया और सफाई करने लगे। यह देखते ही दोनों शिष्य मारे शर्म के पानी-पानी हो गए। गुरु की विनम्रता के आगे उनका अहंकार पिघल गया। उनमें से एक ने आकर गुरु से झाड़ू ले लिया और दूसरा भी उसके साथ सफाई के काम में जुट गया। उस दिन से उनका व्यवहार पूरी तरह बदल गया।

विचार मंथन

राजनीतिक क्षेत्र में परिवारवाद एक अंतर्राष्ट्रीय समस्या

(लेखक - डॉ हिदायत अहमद खान)

भारत में भाई-भतीजावाद और परिवारवाद को लेकर राजनीतिक गलियारे से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में सदा से ही गर्मा-गरम बहस होती चली आ रही है। परिवारवाद के नाम पर कांग्रेस सदा से विरोधियों के निशाने पर रही है। अब जबकि केंद्र में भाजपा नीत सरकार लंबे समय से बर्चस्व में है तो यहां पर भी भाई-भतीजाबाद के आरोप लगने शुरु हो गए हैं। चुनावी टिकट का मामला हो या पदों के बंटबारे की बात हो, सभी जगह परिवारवाद हावी होता दिखता है। हद तब हो जाती है जब सरकारी नौकरियों में भाई-भतीजाबाद खूब फलता-फूलता दिखता है। यहां बताते चलें कि यह बीमारी महज भारत में पल रही हो ऐसा नहीं है, बल्कि इसकी जद में दुनियां की महाशक्ति कहा जाने वाला अमेरिका तक आ चुका है। अमेरिका जैसे लोकतांत्रिक देश में जहां राजनीतिक पारदर्शिता और संस्थागत संतुलन पर ज़ोर दिया जाता है, वहाँ भी प्रशासनिक नियुक्तियों में परिवारवाद और व्यक्तिगत संबंधों की भूमिका एक विवादास्पद विषय बना हुआ है। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान और अब उनके फैसले को लेकर दुनियाभर में चर्चाएं हो रही हैं। खास चर्चा उनकी नियुक्तियों को लेकर हो रही है। उनकी प्रशासनिक नियुक्तियों ने भाई-भतीजावाद वाली बहस को एक बार फिर से हवा दे दी है। दरअसल ट्रंप ने अपने परिवार के करीबी सदस्यों और सहयोगियों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया है, जिससे अमेरिकी राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय मंच पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। वैसे यह कोई नई बात नहीं है, क्योंकि इससे पहले भी ट्रंप के प्रशासन में पारिवारिक सदस्यों को खास नियुक्तियां देने का अपना ही एक अलग इतिहास रहा है। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने अपनी बेटी इवांका ट्रंप और उनके पति जारेड कुशनर को व्हाइट हाउस में वरिष्ठ सलाहकार के तौर पर नियुक्त किया था। अब जो ताजा मामला सामने आया है, उसमें उन्होंने अपने एक समधी अरबपति मसाद बाउलोस को मध्य पूर्व मामलों के सलाहकार के रूप में और दूसरे समधी रियल एस्टेट कारोबारी चार्ल्स कुशनर को फ्रांस में अमेरिकी राजदूत के रूप में नियुक्त किया है। इस कदम ने उनके आलोचकों को एक बार फिर यह कहने का मौका दिया है कि ट्रंप प्रशासन भाई-भतीजावाद और देश के हितों के टकराव से भरा हुआ है। इन नियुक्तियों को लेकर कहा तो यहां तक जा रहा है कि इनका अंतरराष्ट्रीय मंच पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। मध्य पूर्व जैसे संवेदनशील क्षेत्र में मसाद बाउलोस की नियुक्ति ने यह सवाल उठाया है कि क्या व्यक्तिगत संबंधों के आधार पर ऐसे अहम पदों पर की जा रहीं नियुक्तियां अमेरिका की कूटनीति को कमजोर करने वाली साबित नहीं होंगी? हालांकि, ट्रंप ने बाउलोस को एक अनुभवी और प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में पेश किया, लेकिन आलोचकों का तर्क है कि ऐसे व्यक्तियों की नियुक्ति अमेरिकी कूटनीति की पारंपरिक संरचना और उसकी निष्पक्षता को कमजोर करती है। चार्ल्स कुशनर की फ्रांस में नियुक्ति, जो अमेरिका का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है, ने भी इसी तरह की चिंताओं को जन्म दिया है। एक राजदूत का काम पारंपरिक रूप से पेशेवर राजनयिकों या अनुभवी व्यक्तियों को सौंपा जाता है। परिवार के सदस्यों की नियुक्ति से यह छवि बनती है कि अमेरिकी विदेश नीति में व्यक्तिगत हित ज्यादा अहम हो गए हैं और राष्ट्रहित दोयम दर्जे पर जाते दिख रहे हैं। चिंता इसलिए भी है क्योंकि ट्रंप के परिवार के सदस्यों की नियुक्तियों पर अक्सर हितों के टकराव के आरोप लगते रहे हैं। जारेड कुशनर के पिछले विवादों को देखते हुए, यह चिंता बढ़ जाती है कि ऐसी नियुक्तियां राजनीतिक स्वार्थों को बढ़ावा दे सकती हैं। उदाहरण के तौर पर, ट्रंप द्वारा जारेड कुशनर को 2005 के अपराध मामले में माफी देने और बाद में उन्हें व्हाइट हाउस में अहम भूमिका देने से पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए। अमेरिकी प्रशासन की ऐसी नियुक्तियां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी आलोचना का केंद्र बन सकती हैं। अमेरिका के सहयोगी और विरोधी देश दोनों ही इस तरह की नियुक्तियों को राजनीतिक और कूटनीतिक प्रक्रियाओं की कमजोरी के रूप में देख सकते हैं। यह स्थिति अमेरिकी नेतृत्व की विश्वसनीयता को कमजोर कर सकती है, खासकर उन देशों में जो पारिवारिक और व्यक्तिगत प्रभाव से दूर एक पारदर्शी और संस्थागत शासन प्रणाली का अनुसरण करते हैं। बहरहाल ट्रंप के मौजूदा फैसले इस बात का संकेत देते हैं कि वह अपनी नीतियों और प्रशासनिक फैसलों में अपने परिवार और करीबी सहयोगियों पर भरोसा करने की नीति को जारी रखेंगे। हालांकि, इस तरह के कदमों से अमेरिकी संस्थाओं और उनके वैश्विक प्रभाव पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है। ट्रंप की ये नियुक्तियां अमेरिकी राजनीति में भाई-भतीजावाद और हितों के टकराव की बहस को फिर से बढ़ावा देगी, लेकिन भारत में इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि यहां पहले से ही इस तरह के प्रयोग होते रहे हैं, जिनका असर दूरगामी तौर पर देखने को मिल रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश के आठ शहरों में जुलाई-सितंबर में आवासीय कीमतें 11 प्रतिशत बढ़ीः रिपोर्ट

- एनसीआर में दरें सबसे अधिक बढ़ीं

नई दिल्ली । भारत के आठ प्रमुख शहरों में आवासीय कीमतों में तेजी देखने को मिली, इसकी जानकारी एक नई रिपोर्ट से मिली। रिपोर्ट में जुलाई-सितंबर तिमाही में 11 प्रतिशत की औसत वृद्धि की गई। एनसीआर में दरें सबसे अधिक बढ़ीं, साथ ही बेंगलुरू में भी तेजी देखी गई। इस रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में आवासीय कीमतें 32 प्रतिशत बढ़कर 11,438 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं। इसके बाद बेंगलुरू में 24 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। यह वृद्धि मांग और सकारात्मक बाजार धारणा की वजह से हुई। सलाहकारों का कहना है कि सभी आठ शहरों में आवास की कीमतों में वृद्धि देखी गई। जुलाई-सितंबर में बेंगलुरू में आवास की औसत कीमतें 11,743 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 9,471 रुपये प्रति वर्ग फुट थीं। यह रिपोर्ट उम्मीद जताती है कि भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश के लिए एक बेहतर माहौल है, जिसे लोग एक अच्छा निवेश अवसर मान सकते हैं। अगर इस तेजी के प्रकरण का एक सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो इससे अच्छे रिटर्न मिल सकते हैं।

अशोक लेलैंड की नवंबर में कुल थोक बिक्री बढ़कर 14,137 इकाई हुई

पिछले महीने 12,773 इकाई बिक्री हुई थी

मुंबई । अशोक लेलैंड भारत के प्रमुख वाणिज्यिक वाहन निर्माता ने नवंबर माह में अच्छे बिक्री के बारे में रिपोर्ट जारी की है। कंपनी ने बताया कि कुल थोक बिक्री में एक प्रतिशत की वृद्धि हुई और उसने इस माह में 14,137 इकाई वाहन बेचे। कंपनी के बयान के मुताबिक घरेलू बिक्री में एक असंतुष्ट कारक था और इसमें चार प्रतिशत की कमी देखने को मिली। पिछले महीने 12,773 इकाई बिकी थी, जबकि अब यह संख्या 13,031 है। मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में आठ प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली, जिससे कंपनी ने 9,176 इकाई वाहन बेचे। एक साल पहले इस समय यह संख्या 8,500 थी। हालांकि, हल्के वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 11 प्रतिशत की गिरावट देखने को मिली। कंपनी ने इस माह में 4,961 इकाई हल्के वाहन बेचे, जबकि पिछले साल यह कम 5,553 इकाई थी।

ट्रेडमार्क मामला- अदालत ने पुणे के रेस्तरां पर बर्गर किंग नाम इस्तेमाल करने से रोका

- आदेश तब तक जारी रहेगा जब तक मामले के निपटारे की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती

मुंबई । बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को पुणे स्थित एक रेस्तरां के बर्गर किंग नाम का इस्तेमाल करने पर स्थगित आदेश जारी कर दिया है। यह आदेश उस दिन तक लागू रहेगा जब तक अमेरिकी लोकप्रिय बर्गर चेन कंपनी बर्गर किंग कॉरपोरेशन द्वारा दायर इस मामले में निर्धारित निपटारे की सुनवाई पूरी नहीं हो जाती। यह निर्धारित रोक इस आदान-प्रदान को संकट में डाल देगा, क्योंकि रेस्तरां मालिकों ने इस इस्तेमाल के लिए आमने-सामने ट्रेडमार्क उल्लंघन का आरोप लगाया था। बर्गर किंग कॉरपोरेशन ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी, जिसके मुताबिक बर्गर किंग नाम का इस्तेमाल करने पर रोक लगने का निष्पादन किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति ए. एस. चंदुरकर और न्यायमूर्ति राजेश पाटिल ने इस मामले में अंतरिम आदेश जारी करते हुए कहा` कि इस मुद्दे पर सुनवाई की जानी चाहिए और समस्त साक्ष्यों का गौर किया जाना चाहिए। तब तक बर्गर किंग नाम का इस्तेमाल बंद रखने के लिए यह अंतरिम आदेश जारी रखा जा रहा है। यह मामला आम लोगों के ध्यान में है, क्योंकि यह एक व्यापक ट्रेडमार्क उल्लंघन का मामला है और इसका निपटारा न्यायिक मार्गदर्शन के अनुसार किया जाना चाहिए। आम नागरिकों को इस मुद्दे पर नजर रखने के लिए सतर्क रहना चाहिए।

ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति और भारत की आर्थिक परिस्थितियों पर प्रभाव

ट्रंप ने एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली ।

अमेरिका के नए राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति के प्रभाव की दृष्टि से भारत सक्रिय है। वित्त मंत्रालय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से शुरू की गई मंथन के बाद यह स्पष्ट हो रहा है कि भारत कैसे इस नई यातायात के साथ सामना करने की योजना बना रहा है। एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि सरकार ट्रंप की पिछले कार्यकाल की कार्रवाइयों का जायजा लेने के लिए काम कर रही है। उनका कहना है कि ट्रंप के नक्शे के अनुसार भारत कैसे उसके नीतियों का प्रभाव महसूस करेगा इस पर व्यवस्था कर रहे हैं।

ट्रंप ने एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्रिक्स देशों के साथ व्यापार का मुद्दा उठाया है। उनके इस प्रस्ताव ने भारत को जरा सोचने पर मजबूर किया है। सरकारी अधिकारियों का मानना है कि यह आर्थिक नीति को जटिल बना सकता है। ट्रंप ने भारत की ओर से उच्च शुल्क के मुद्दे पर आलोचना की थी। भारत को टैरिफ किंग कह दिया गया था। भारत उसके मुद्दों का सामना कैसे करेगा, यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। सरकारी अधिकारियों का मानना है कि अगर चीन से डंपिंग होता है तो उन्हें शुल्क बढ़ाना पड़ेगा। हालांकि, उन्होंने कहा है कि नुकसान को बढ़ाने से बचने के लिए समझौता भी किया जा सकता है। भारत अमेरिका के नए नीतियों का समर्थन या विरोध करने के लिए तैयार है। ट्रंप के नीतियों के प्रभाव के संबंध में भारतीय सरकार की दृष्टि कैसे होगी, यह देखने के लिए हम सबको इंतेजार रहना होगा।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को घरेलू शेयर बाजार दो पैसे की बढ़त पर बंद हुआ। आज सुबह नकारात्मक रुख के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में स्थिर खुला और अपने सर्वकालिक निम्न स्तर से केवल दो पैसे चढ़कर 84.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी ने निवेशकों की भावनाओं को और प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.59 प्रति डॉलर पर खुला और सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ 84.58 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले केवल दो पैसे की बढ़त दिखाता है। शुरुआती कारोबार में यह अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अपने सर्वकालिक निम्न स्तर 84.60 पर भी पहुंच गया। रुपया शुक्रवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर 84.60 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

क्यूआर कोड से रेहड़ी-पटरी वालों को मिलने लगे ऋण

- छोटे व्यवसायी अब पांच लाख रुपये तक का ऋण प्राप्त कर सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय वित्तीय सेवा कंपनी एनबीएफसी ने अब छोटे कारोबारियों के लिए एक नया ऋण कार्यक्रम शुरू किया है, जो मुथूट फिनकॉर्प वन के माध्यम से केवल क्यूआर कोड का इस्तेमाल करके उनके दैनिक लेनदेन के आधार पर मिलेगा। इस कार्यक्रम के जरिए रेहड़ी-पटरी वालों जैसे छोटे व्यवसायी अब पांच लाख रुपये तक का ऋण प्राप्त कर सकते हैं। एक बयान के अनुसार यह डिजिटल मंच मुथूट फिनकॉर्प वन के साथ काम करके एमएफएल के ठीक से तैयार किए गए उद्यमों को ऋण प्रदान करेगा। इस प्रक्रिया में क्यूआर-कोड आधारित ऐप का इस्तेमाल किया जाएगा। मुथूट फिनकॉर्प वन के सीईओ ने बताया कि भारत में करीब छह करोड़ अनौपचारिक सूक्ष्म उद्यम हैं, जो देश के रोजगार सृजनकर्ताओं में से एक हैं। यह नया ऋण कार्यक्रम उन्हें वित्तीय मजबूती और स्थायी वृद्धि के लिए एक नया रास्ता प्रदान करेगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस नए क्रेडिट मूल्यांकन मॉडल की घोषणा की थी, जिसका मकसद छोटे व्यवसायों के डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर मूल्यांकन करना है। यह उनकी आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किया गया उत्पाद है, जो उन्हें दैनिक व्यावसायिक विकास के लिए मदद पहुंचाएगा। इस नए ऋण कार्यक्रम के माध्यम से आईएमई को वित्तीय माध्यमों तक पहुंचने में मदद मिलेगी और देश के अनौपचारिक सूक्ष्म उद्यमों को विकास का मार्ग दिखाएगा।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल मिलेजुले संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। आरआईएल और इंफोसिस के शेयरों में तेजी से भी बाजार ऊपर आया। इसके अलावा अमेरिकी बाजारों में मजबूती से भी देसी शेयर बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 445.29 अंक करीब 0.56 फीसदी बढ़कर 80,248.08 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 144.95 अंक तकरीबन 0.6 फीसदी बढ़कर 24,276.05 पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 24,008.65 और 24,301.70 के रेंज में कारोबार हुआ।

सेंसेक्स के 21 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्ल्यू स्टील, अदाणी पोर्ट्स, टेक महिंद्रा और टाइटन सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे। इसके अलावा, मारुति, एमएंडएम, सन फार्मा, टाटा स्टील, रिलायंस, एचसीएल टेक, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल, नेस्ले इंडिया, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और आईटीसीस के शेयर भी उछले।

दूसरी तरफ, सेंसेक्स के 9 शेयर गिरावट पर बंद हुए। एनटीपीसी, कोटक बैंक, एचयूएल, इंडसइंड बैंक और पावर ग्रिड के पांच शेयरों को सबसे अधिक नुकसान हुआ। इसके अलावा, एलएंडटी, एसबीआई, एशियन पेंट्स और टीसीएस के शेयर भी गिरे।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की धीमी शुरुआत हुई। यह गिरावट सितंबर तिमाही के उम्मीद से कम जीडीपी आंकड़ों के कारण हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 306 अंक की गिरावट के साथ 79,496.63 पर खुला। वहीं

निफ्टी 24,140.85 पर कारोबार करता दिखा। बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.19 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई, जबकि बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.06 फीसदी नीचे रहा। कारोबार में निफ्टी बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज और एफएमसीजी सेक्टर में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई। दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशिया-प्रशांत बाजारों ने नए हफ्ते की शुरुआत सकारात्मक संकेतों के साथ की। निवेशक जापान, कोरिया और चीन सहित प्रमुख देशों से आने वाले आर्थिक आंकड़ों का इंतजार कर रहे हैं। चीन ने सप्ताहांत में नवंबर का आधिकारिक पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) डेटा जारी किया। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई 50.3 पर पहुंचा, जो अप्रैल के बाद का उच्चतम स्तर है। वहीं एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिल रही है। निक्केई 0.33 फीसदी चढ़ा, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स 0.77 फीसदी बढ़ा। कोस्पी 0.85 फीसदी और एएसएक्स 200 में 0.35 फीसदी की बढ़त रही। अमेरिकी शेयर बाजार भी पिछले हफ्ते मजबूती के साथ बंद हुए।

अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर शुरुआती कारोबार में नौ प्रतिशत चढ़ा

- बीएसई पर सूचीबद्ध अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का शेयर 1,445 रुपये पर पहुंच गया

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह की कंपनी अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के शेयर सोमवार को दिखाई गई बढ़त के साथ कारोबार में करीब नौ प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई। इसके परिणामस्वरूप बीएसई पर सूचीबद्ध अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का शेयर 1,445 रुपये पर पहुंच गया।

अदाणी समूह के अन्य कंपनियों के शेयरों में भी वृद्धि दर्ज की गई। अदाणी पोर्ट्स का शेयर दो प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स का 1.33 प्रतिशत और एसीसी का एक प्रतिशत बढ़ा।

वहीं अदाणी टोटल गैस का शेयर 4.57 प्रतिशत की गिरावट के साथ 774.45 रुपये पर, अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का शेयर 4.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 805.60 रुपये पर, अदाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 1.38 प्रतिशत बढ़कर 2,428.20 रुपये और अदाणी पावर का शेयर 1.45 प्रतिशत कम होकर 546.50 रुपये पर पहुंचा। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने अमेरिका में लगे आरोपों का जवाब देते हुए यह स्पष्ट किया कि समूह सभी नियमों का पालन कर रहा है और हर हमला समूह को मजबूत बनाता है। अमेरिका के न्याय मंत्रालय और एसईसी ने न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले की अमेरिकी जिला अदालत में अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के प्रमुख पदाधिकारियों गौतम अदाणी, सागर अदाणी तथा विनीत जैन के खिलाफ 20 नवंबर 2024 को अभियोग जारी किया था। एजीईएल पर लगाए गए आरोप में है कि सौर ऊर्जा बिक्री ठेका हासिल करने के लिए भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की रिश्वत दी गई थी।

कंपनी ने इसके खिलाफ जवाब देते हुए कहा कि यह आरोप सिर्फ प्रतिभूति धोखाधड़ी की साजिश, वायर धोखाधड़ी की साजिश और प्रतिभूति धोखाधड़ी से संबंधित हैं, जिनके लिए दंड कम गंभीर होते हैं।

समूह का कहना था कि वे हर संभव कदम उठाएंगे ताकि उनकी स्थिति का स्पष्टीकरण हो सके।

नायका पर शुरू हुई एक और धमाकेदार सेल

कई ब्रांड्स पर मिल रही 50 फीसदी तक की छूट

मुंबई ।

नायका की पिंक फाइडे सेल ने दिखाया अपना जादू और अब एक और धमाकेदार सेल के रूप में वापस आ रहा है। यह सेल 2 दिसंबर से शुरू हो गई है जो 4 दिसंबर तक चलेगी और उसमें 50 फीसदी तक की छूट के साथ बहुत सारे ऑफर्स भी हैं। नायका की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर, नायका के मोबाइल ऐप पर या फिर नायके के स्टोर पर जाकर आप इस सेल का लाभ उठा सकते हैं। पिंक फाइडे सेल में चार्लोट टिलबरी, मैक, मेबेललाइन जैसे ब्रांड्स के उत्पादों पर 60 फीसदी तक की छूट दी जा रही है। इस सेल में ब्यूटी और पर्सनल केयर उत्पाद, फैशन और एक्सेसरीज, होम और किचन उत्पाद और हेल्थ और वेलनेस प्रोडक्ट्स पर भी 50 फीसदी तक की छूट दी जा रही है। इसमें बाय वन गेट वन फ्री ऑफर, फ्री शिपिंग और कैशबैक ऑफर भी उपलब्ध है। पिंक फाइडे सेल में आपको अनुभव करने के लिए बहुत कुछ है, इसलिए अगर आपने पिछली सेल में शॉपिंग नहीं की है, तो इस बार का सेल आपके लिए उत्तम अवसर है।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि दर नवंबर में 11 महीने के निचले स्तर पर

- प्रतियोगी स्थितियों और मुद्रास्फीति के दबावों के कारण विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि सीमित रही

नई दिल्ली ।

भारत के विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि दर नवंबर महीने में 11 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई है। एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक अनुसार इस दौरान ऑर्डरों में धीमी वृद्धि देखने को मिली है। प्रतियोगी स्थितियों और मुद्रास्फीति के दबावों के कारण विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि सीमित रही है। एक मासिक सर्वेक्षण में यह खबर सामने आई कि नवंबर में वृद्धि दर 56.5 थी, जो पिछले महीने की तुलना में कुछ कम लग रही थी। एचएसबीसी के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने बताया कि इस संक्षेपण के बावजूद भारतीय विनिर्माण क्षेत्र अभी भी विस्तार की दिशा में है। उन्होने कहा कि मांग की मजबूती और उत्पादन में विस्तार की दर, भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को आगे बढ़ाने में मदद कर रही है। हालांकि, मूल्य दबाव बढ़ने के कारण उत्पादन वृद्धि में धीमी गति आ रही है। इसके अतिरिक्त, नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण और खनन क्षेत्रों की खराब प्रदर्शन के कारण, भारत की आर्थिक वृद्धि दर एक निम्न स्तर पर पहुंच गई है। वस्तु उत्पादकों के मोर्चे पर अच्छी खबर है, क्योंकि अक्टूबर से उनके विक्रय मूल्यों में अधिक वृद्धि देखने को मिल रही है। इससे व्यापक अंतरराष्ट्रीय मांग की दर चार महीनों में सबसे अच्छी रही है। जबकि इस दौरान संकुचन

का मामला रहा है, परंतु भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वृद्धि की दिशा में तेजी जारी है।

केंद्र सरकार का डिजिटल कृषि मिशनः एक कार्ड से होंगे पूरे सारे काम

किसानों को सम्मान निधि, क्रेडिट कार्ड, और फसल बिक्री जैसी योजनाओं का मिलेगा लाभ

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्रियों को निर्देश दिए कि देश के हर किसान को एक डिजिटल पहचान बनाने के लिए किसान आईडी कार्ड बनाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य है कि डिजिटल तरीके से किसानों को सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, और फसल बिक्री जैसी योजनाओं तक पहुंच सके। कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने राज्यों को किसान पहचान-पत्र बनाने के काम में तेजी लाने का निर्देश दिया है।

इसके तहत 28 नवंबर को राज्यों को पत्र भेजकर किसान पहचान-पत्र बनाने के लिए शिविर आयोजित करने के आदेश दिए गए हैं। इस मिशन के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6 करोड़, 2025-26 में 3 करोड़ और 2026-27 में 2 करोड़ किसानों को कवर किया जाएगा। किसान पहचान पत्र एक आधार-लिंक्ड डिजिटल पहचान है, जिसे भूमि रिकॉर्ड से भी जोड़ा जाएगा। इसमें किसानों के व्यक्तिगत विवरण, बोई गई फसलों और भूमि स्वामित्व की जानकारी शामिल होगी। कृषि मंत्रालय के प्रयासों से किसानों को उनकी डिजिटल पहचान मिलने में तेजी आएगी और कृषि क्षेत्र में डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा सकेगा। इसके साथ ही केंद्र ने राज्यों को लोन के लिए विशेष शिविर आयोजित करने के लिए भी निर्देश दिए हैं, जिससे किसानों को लोन स्वीकृति में सहायता मिले। क्रियान्वयन में गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में किसान आईडी के निर्माण में तेजी देखने को मिल रही है, जबकि असम, छत्तीसगढ़, और उड़ीसा में यह फील्ड परीक्षण के चरण में है। इस पहल के माध्यम से किसानों को सरकारी योजनाओं तक पहुंच में मदद मिलेगी और कृषि क्षेत्र में सुधार होगा।

नवंबर में जीएसटी संग्रह में 8.5 फीसदी की वृद्धि, अर्थव्यवस्था को मिली राहत

- नवंबर महीने में जीएसटी संग्रह 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ

नई दिल्ली।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक अच्छी खबर है कि नवंबर महीने में जीएसटी (गुड्स एंड सर्विस टैक्स) संग्रह में 8.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे एक अच्छी तरह से चल रही अर्थव्यवस्था को राहत मिली है। सरकार के जानकारों के अनुसार नवंबर महीने में जीएसटी संग्रह 1.82 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जो समानकालीन वर्ष में इसी महीने में 1.68 लाख करोड़ रुपये था। केंद्रीय जीएसटी संग्रह 34,141 करोड़ रुपये रहा, जबकि राज्य जीएसटी संग्रह 43,047 करोड़ रुपये और एकीकृत आईजीएसटी 91,828 करोड़ रुपये का रहा। बताया जा रहा है` कि यह नवंबर में तीसरा सबसे अच्छा जीएसटी संग्रह है। पिछले महीने अच्छी संख्या आई थी, जिसमें अक्टूबर महीने में 1.87 लाख करोड़ रुपये का जीएसटी संग्रह किया गया था। वित्त मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार इस महीने के दौरान घरेलू लेन-देन से जीएसटी राजस्व 9.4 प्रतिशत बढ़कर 1.40 लाख करोड़ रुपये हो गया। वहीं आयात पर कर से राजस्व लगभग छह प्रतिशत बढ़कर 42,591 करोड़ रुपये हो गया। कुल मिलाकर यह संख्याएं आर्थिक स्थिति में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण हैं और आर्थिक विश्लेषकों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में सकल जीएसटी संग्रह 1.63 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जिसमें एक साल पूरे होने से पहले एक अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है। फिर भी संकेत जरूरी है क्योंकि यह नवंबर महीने में रिफंड समायोजित करने के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह 11 प्रतिशत बढ़कर 1.63 लाख करोड़ रुपये हो गया है। अब तक सबसे अधिक जेबीडीपी की वृद्धि अप्रैल, 2024 में हुई थी। वित्त वर्ष में सकल जीएसटी संग्रह की वृद्धि के साथ चालू वित्त वर्ष के शेष चार महीनों में जेबीडीपी वृद्धि के लिए अच्छी भविष्यवाणी की गई है कि इस साल वित्त वर्ष 2024-25 में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का संग्रह हो सकता है, जो बाजट की अनुमानित संख्याओं से आगे होगा। यह संकेत है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधार की दिशा में तेजी से बढ़ाने का भारी प्रयास किया जा रहा है और जीएसटी संग्रह में इस तरह की वृद्धि इसका सबूत है।

नवंबर में पेट्रोल-डीजल की खपत में बढ़ोतरी, त्योहारी सीजन ने बढ़ाई मांग

- नवंबर में सरकारी कंपनियों ने पेट्रोल की बिक्री में 8.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की

मुंबई ।

भारत में पेट्रोल और डीजल की मांग नवंबर में बढ़ी, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के आंकड़ों से पता चला।

अक्टूबर में खपत में गिरावट देखी गई थी, लेकिन नवंबर में त्योहारी सीजन के कारण खपत में सुधार हुआ। पेट्रोल और डीजल की खपत में वृद्धि ने उद्योगों को आशाओं की राह दिखाई। नवंबर में सरकारी कंपनियों ने पेट्रोल की बिक्री में 8.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जो पिछले साल के अंतिम सप्ताह से भी अधिक थी। डीजल की बिक्री भी 5.9 फीसदी बढ़कर 72 लाख टन हुई। पेट्रोल और डीजल महंगा होने के बावजूद, लोगों की मांग में वृद्धि देश की अर्थव्यवस्था के सुधार का संकेत दे सकती है।

डीजल भारत में सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला ईंधन है, जिसका परिवहन और कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। पेट्रोल और

डीजल की मांग में इस दिशा में हुई वृद्धि देश की आर्थिक सुधार की दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बुमराह महानतम तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे: ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज

एडिलेड (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड को लगता है कि जसप्रीत बुमराह इस खेल के महानतम तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे और उन्होंने कहा कि वह बड़े गर्व से अपने पोते-पोतियों को भारतीय तेज गेंदबाज का सामना करने की कठिन चुनौती के बारे में बताएंगे। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया जिससे भारत यह मैच 295 रन से जीतने में सफल रहा।

हेड ने कहा, 'जसप्रीत को शायद इस खेल को खेलने वाले सबसे महान तेज गेंदबाजों में से एक के रूप में जाना जाएगा। अभी हम यह पता लग रहे हैं कि वह हमारे लिए कितना चुनौती पूर्ण हो सकता है। उसके खिलाफ खेलना अच्छा है। जब मैं भविष्य में अपने करियर पर नजर डालूंगा तो बड़े गर्व से अपने पोते पोतियों को बताऊंगा कि मैंने उनका सामना किया था। इसलिए उनके खिलाफ खेलना बुरा नहीं है। उम्मीद है मुझे आगे भी उनके खिलाफ खेलने का मौका मिलेगा लेकिन उनका सामना करना चुनौती पूर्ण है।'

हेड पर्थ में अर्धशतक बनाने वाले एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज थे। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ, उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, लेकिन मध्यक्रम के इस विस्फोटक बल्लेबाज को यकीन है कि उनके साथी टिप्स के लिए उनसे संपर्क नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, 'यह निश्चित है कि वे मुझसे बल्लेबाजी के टिप्स नहीं लेंगे। प्रत्येक खिलाड़ी का खेलने का अपना तरीका होता है।'

दोनों टीमें अब शुक्रवार से एडिलेड में उसी स्थान पर गुलाबी गेंद का टेस्ट खेलेंगी जहां भारत 2020 में 36 रन पर आउट हो गया था। हेड ने उस मैच को याद करते हुए कहा, 'मुझे याद है कि वह मैच जल्दी समाप्त हो गया था। हमने उस मैच का भरपूर आनंद लिया था। फिर से ऐसा करना अच्छा होगा लेकिन मुझे नहीं लगता कि अगले मैच में ऐसा होगा।'

हेड ने इसके साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया की संघर्षरत बल्लेबाजी और गेंदबाजी इकाई के बीच किसी तरह का मतभेद नहीं है। पहले टेस्ट के दौरान जोश हेज़लवुड की एक टिप्पणी के बाद टीम के भीतर संभावित मतभेद की आशंका व्यक्त की जाने लगी थी। उन्होंने कहा, 'हमें दोनों विभाग (बल्लेबाजी और गेंदबाजी) से काफी उम्मीदें हैं और यह एक बहुत ही व्यक्तिगत खेल है। बल्लेबाजी में हम मजबूत पकड़ बनाना चाहते हैं और हम जानते हैं कि हमारे गेंदबाजों ने अतीत में कितना अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने हमें कई बार परेशानियों से बाहर निकाला है।'

हेड को पूरा विश्वास है कि पहले टेस्ट में करारी हार के बावजूद उनकी टीम वापसी करने में सफल रहेगी। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम प्रतिकूल परिस्थितियों से अच्छी तरह से निपटी है। पिछले तीन या चार वर्षों में हमने हर चुनौती का अच्छी तरह से सामना किया है। पिछले कुछ वर्षों में कई टीम ने पहला टेस्ट मैच हारने के बाद अच्छी वापसी की और वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया।'

नोवाक जोकोविच ने पूर्व प्रतिद्वंद्वी एंडी मर्रे को कोच नियुक्त की वजह बताई

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कहा कि उन्होंने अपने पूर्व प्रतिद्वंद्वी एंडी मर्रे को इसलिए अपना कोच नियुक्त किया क्योंकि वह ब्रिटेन के इस पूर्व खिलाड़ी को अच्छी तरह से जानते हैं। पिछले छह महीने से बिना कोच के खेलने वाले जोकोविच अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी जुआन मार्टिन डेल पोत्रो के लिए विदाई मैच खेलने के लिए यहां आए हैं। उन्होंने और मर्रे ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वे जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए एक साथ काम करने की योजना बना रहे हैं।

जोकोविच ने डेल पोत्रो के खिलाफ मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में स्पेनिश में कहा, 'जब मैं जूनियर वर्ग में खेला करता था तब से मैंने उनके खिलाफ काफी टेनिस खेली है और ऐसे बहुत कम खिलाड़ी हैं जिन्होंने कई ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं।' जोकोविच 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। उन्होंने टेनिस इतिहास में किसी भी अन्य खिलाड़ी की तुलना में नंबर एक पर सबसे अधिक सप्ताह बिताए हैं।

मर्रे ने तीन ग्रैंड स्लैम खिताब और दो ओलंपिक एकल स्वर्ण पदक जीते। वह 2016 में एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर रहे। उन्होंने अगस्त में पेरिस ओलंपिक के बाद संन्यास ले लिया था। मर्रे और जोकोविच दोनों 37 वर्ष के हैं और वे मई 1987 में एक सप्ताह के अंतर पर पैदा हुए थे। वे जूनियर वर्ग से एक दूसरे के खिलाफ खेलते रहे हैं। पेशेवर खिलाड़ी के रूप में इन दोनों ने एक दूसरे के खिलाफ 36 मैच खेले जिनमें जोकोविच ने 25 और मर्रे ने 11 मैच में जीत दर्ज की।

मार्च में गोरान इवानिसेविच से अलग होने के बाद से पूर्णकालिक कोच के बिना खेल रहे जोकोविच ने कहा, 'वह मेरे खेल और जिन परिस्थितियों से मैं गुजरा हूं उन्हें अच्छी तरह से समझता है। वह जानता है कि मेरे खेल में क्या कमियां हैं।' अमेरिकी ओपन 2009 के चैंपियन डेल पोत्रो ने पार्के रोका, ब्यूनस आयर्स में खेला गया प्रदर्शनी मैच 6-4, 7-5 से जीता। जोकोविच ने कहा, 'हम अपने खेल के सबसे अहम मुकाबलों में एक-दूसरे के खिलाफ खेले, लेकिन अंत में हमारी दोस्ती प्रतिद्वंद्विता से अधिक महत्वपूर्ण थी।'

'वहीं उन्हें मारके आओ' : शोएब अख्तर का चैंपियंस ट्रॉफी विवाद पर जोरदार बयान

लाहौर (एजेंसी)। पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज शोएब अख्तर आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी विवाद के लंबे समय तक चलने से सहमत नहीं हैं। कथित तौर पर सभी पक्षों के बीच हाइब्रिड मॉडल पर सहमति बन गई है हालांकि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी स्वीकृति देने के लिए कुछ मांगें रखी हैं। टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार रखने वाले पीसीबी ने पूरे टूर्नामेंट को पाकिस्तान में आयोजित करने पर जोर दिया था लेकिन आईसीसी के साथ हाल ही में हुई बैठक में उन्होंने अपना रुख नरम कर लिया है। हालांकि पीसीबी ने कथित तौर पर भारत में होने वाले सभी आईसीसी आयोजनों को भी हाइब्रिड मॉडल में आयोजित करने की मांग की है।

अख्तर ने एक पाकिस्तानी चैनल से बात करते हुए राजस्व में अधिक हिस्सेदारी की मांग करने के पीसीबी के रुख से सहमति जताई क्योंकि टूर्नामेंट अब हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया जाएगा। लेकिन, अख्तर भविष्य के आईसीसी आयोजनों के लिए भारत की यात्रा न करने के बोर्ड के रुख के खिलाफ हैं। अख्तर ने कहा, 'आपको मेजबानी के अधिकार और राजस्व के लिए भुगतान किया जा रहा है, और यह ठीक है-हम सभी इसे समझते हैं। पाकिस्तान का रुख भी उचित है। उन्हें एक मजबूत स्थिति बनाए रखनी चाहिए थी, क्यों नहीं? एक बार जब हम अपने देश में चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने में सक्षम हो जाते हैं और वे आने के लिए तैयार नहीं होते हैं, तो उन्हें हमारे साथ उच्च दर पर राजस्व साझा करना चाहिए। यह एक अच्छा फैसला है।'

अख्तर का मानना है कि पीसीबी को भविष्य के आईसीसी आयोजनों के लिए पाकिस्तान की टीम को भारत भेजना चाहिए। लेकिन उन्हें अपनी टीम को इस तरह से बनाना चाहिए कि पाकिस्तान भारत को उसके अपने घर में हरा सके। उन्होंने कहा, 'भविष्य में भारत में खेलने के मामले में, हमें दोस्ती का हाथ बढ़ाना चाहिए और वहां जाना चाहिए। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि भारत जाओ और उन्हें वहां हराओ। भारत में खेलो और वहीं उन्हें मारके आओ। मैं समझता हूं कि हाइब्रिड मॉडल पर पहले ही हस्ताक्षर हो चुके हैं।' चैंपियंस ट्रॉफी विवाद पर नए घटनाक्रम से पता चलता है कि भारत के मैच दुबई में होंगे जबकि सेमीफाइनल (यदि भारत आगे बढ़ता है) और फाइनल (यदि भारत आगे बढ़ता है) में से एक भी दुबई में आयोजित किया जाएगा।

स्टैंड से लगे 'मुंबई चा राजा' के नारे, रोहित ने प्रशंसक का 10 साल लंबा इंतजार किया खत्म

कैनबरा (एजेंसी)। रोहित शर्मा के एक उत्साही प्रशंसक ने मनुका ओवल में प्रवेश किया, कई बार उनका नाम पुकारा और फिर भारतीय कप्तान का ध्यान आकर्षित करने के लिए 'मुंबई चा राजा' (मुंबई का राजा) का नारा लगाया और फिर उनका ऑटोग्राफ लिया जिसका उसे 10 साल से इंतजार था। प्रशंसक की सारी मेहनत और रणनीति सार्थक साबित हुई क्योंकि मुस्कुराते हुए रोहित ने रविवार को यहां प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ अभ्यास मैच में भारत की आसान जीत के बाद उसका 'दशक पुराना' इंतजार खत्म करते हुए उसे ऑटोग्राफ दिया।

प्रशंसक ने स्टैंड से गुहार लगाते हुए कहा कि रोहित भाई प्लीज, 10 साल हो गए यार। रोहित भाई मुंबई चा राजा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने भी इस पर ध्यान दिया। बीसीसीआई ने अपने सोशल मीडिया पेज पर इस वीडियो को साझा किया- अंततः एक दशक पुराना इंतजार खत्म हुआ। एक प्रशंसक ने रोहित शर्मा का ऑटोग्राफ लेने के लिए 10 साल इंतजार किया और कल उसका भाग्यशाली दिन था।

बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए वीडियो में रोहित प्रशंसकों से बातचीत करते हुए तथा बल्ले और जर्सी पर ऑटोग्राफ देते हुए दिखाई दे रहे थे जब तक कि इस प्रशंसक ने स्टेडियम में मौजूद सभी का ध्यान अपनी ओर नहीं खींच लिया। भारत ने अभ्यास मैच में प्रधानमंत्री एकादश को छह विकेट से हराया। खराब मौसम के कारण यह मुकाबला प्रति टीम 46 ओवर का हो गया था। रोहित ने मैच में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की और सिर्फ तीन रन बनाकर आउट हो गए। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के पहले टेस्ट से बाहर रहने वाले रोहित शुक्रवार से एडीलेड में शुरू होने वाले दूसरे मैच में भारतीय टीम की अगुआई करेंगे। पर्थ में पहले मैच में मेजबान टीम को 295 रन से हराने के बाद भारत श्रृंखला में 1-0 से आगे है। रोहित की अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टीम की अगुआई की थी।

दूसरे टेस्ट में भी यशस्वी और राहुल के ही पारी शुरु करने की संभावना

-मध्यक्रम में उतर सकते हैं रोहित

एडीलेड (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा टेस्ट अब छह दिसंबर से यहां शुरु होने वाले बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट से टीम की कमान संभालेंगे। यहा टेस्ट मैच दिन-रात का होने के कारण गुलाबी गेंद से खेला जाएगा।

रोहित दूसरी बार पिता बनने के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर थे। रोहित के नहीं होने पर पहले टेस्ट में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। ऐसे में माना जा रहा है कि गुलाबी गेंद से होने वाले दूसरे टेस्ट में भी यही जोड़ी पारी की शुरुआत करेगी और रोहित मध्यक्रम में उतरेंगे। पहले मैच में यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल ने पारी की शुरुआत करते हुए। दूसरी पारी में 200 रन से ऊपर की साझेदारी कर नया रिकार्ड बनाया था। इसके अलावा प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ भी इसी जोड़ी ने पारी की शुरुआत की थी। उससे ये संकेत मिलते हैं कि अब दूसरे टेस्ट में भी यही जोड़ी उतरेगी और रोहित मध्यक्रम में खेलेंगे।

रोहित का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है और ऐसे में वह भी नहीं चाहेंगे कि टीम की शुरुआत खराब हो। इसी कारण वह रोहित ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ मुकाबले में राहुल को ही शुरुआत के लिए भेजा था। इससे प्रशंसकों ने अंदाज लगाना शुरू कर दिया कि टीम दूसरे टेस्ट में भी इसी बल्लेबाजी क्रम के साथ खेलने उतरेगी। अच्छी लय हासिल कर चुकी यशस्वी और राहुल की जोड़ी में अब बदलाव की संभावना को वह नहीं देखते। वहीं इससे पहले अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भी कहा कि दूसरे टेस्ट में भी यशस्वी और राहुल ही पारी की शुरुआत करें और रोहित मध्यक्रम पर उतरें। साथ ही कहा था कि सलामी जोड़ी में बदलाव से नुकसान हो सकता है।

दिन-रात्रि टेस्ट मैच अप्रत्याशित हो सकता है, बस पूरी तरह से तैयार रहना होगा : स्मिथ

एडिलेड । भारतीय टीम ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के शुरुआती मैच में दबदबे वाल प्रदर्शन किया लेकिन ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्टीव स्मिथ ने दिन-रात्रि के दूसरे टेस्ट मैच को अप्रत्याशित करार देते हुए कहा कि उनका 'ध्यान' गुलाबी गेंद से खेले जाने वाले टेस्ट की चुनौतियों से निपटने पर है। पांच मैचों की श्रृंखला में पहला टेस्ट बड़े अंतर से गंवाने के बाद ऑस्ट्रेलिया दबाव में है। श्रृंखला का दूसरा टेस्ट शुक्रवार से यहां खेला जायेगा। स्मिथ ने कहा, 'गुलाबी गेंद से दिन या रात के अलग-अलग समय पर अलग तरह की चुनौती मिलती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कहां बल्लेबाजी कर रहे हैं। उस समय परिस्थितियां और गेंद की स्थिति के साथ अन्य चीजें कैसी हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं ऐसे में पूरी तरह से तैयार रहना चाहता हूं। गुलाबी गेंद कई बार अप्रत्याशित हरकत करती है। ऐसे में पूरी तरह से एकाग्र रहने पर ध्यान देना होता है।' ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भी गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने की चुनौतियों पर बात की, लेकिन उनका मानना है कि खेल की मूल बातें वही रहेंगी। कमिंस ने कहा, 'मुझे लगता है कि सभी मूल बातें वास्तव में सामान्य टेस्ट की तरह ही होंगी। आप जानते हैं कि कभी-कभी खेल अलग-अलग गति से चलता है क्योंकि गेंद पुरानी और नरम हो जाती है लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट है।'

शाम के समय गुलाबी गेंद से खेलना चुनौतीपूर्ण होता है : पुजारा

एडिलेड। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दूसरे दिन रात्रि टेस्ट मैच को लेकर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि लाल और गुलाबी गेंद में अंतर होता और शाम के समय गुलाबी गेंद से खेलना चुनौतीपूर्ण होता है। पुजारा ने कहा, 'जिसने भी गुलाबी गेंद से टेस्ट खेला है वह आपको बताएगा कि शाम के समय बल्लेबाजी करना सबसे मुश्किल होता है। उस समय रोशनी पूरी तरह से नहीं होती है, ना ही पूरा अंधेरा होता है उस समय स्टेडियम की लाइट जलाई जाती है और तब आपको थोड़ा कम दिखता है। उस समय बल्लेबाजों के लिए गुलाबी गेंद खेलना अधिक चुनौतीपूर्ण होता है।' उन्होंने, 'आपने देखा होगा कि लाल गेंद अधिक चमकती नहीं होती है। इसमें पेंट की कुछ अधिक लेयर होती हैं, जो जल्दी से नहीं जाती है। जब आप लाल गेंद का सामना कर रहे हो तो यह आम लेदर गेंद है जो जल्दी से पुरानी हो जाती है। जबकि गुलाबी गेंद में अधिक समय तक चमक बनी रहती है।' उन्होंने कहा, 'गुलाबी गेंद पर पेंट की अधिक लेयर होती हैं और जब यह पिच पर पड़ती है, सीम पर गिरती है या चमकीले हिस्से पर भी गिरती है तो इसमें थोड़ा अधिक जोखिम होता है। ऐसे समय में बल्लेबाज के तौर पर आपके पास कम समय होता है। आपके पास लाल गेंद खेलने जितना समय नहीं होता है और यही बड़ा अंतर है जिसमें ढलना होगा।'

अंडर-19 एशिया कप : भारत की जापान पर बड़ी जीत, 211 रनों से दी शिकस्त

शारजाह (एजेंसी)। कप्तान मोहम्मद अमान (नाबाद 122) की शतकीय, आयुष म्हात्रे (54) और केपी कार्तिकेय (57) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने सोमवार को अंडर-10 एशिया कप के आठवें मुकाबले में जापान को 211 रनों से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ भारत के दो मैचों में एक हार और एक जीत के साथ दो अंक हो गये और वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है।

340 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जापान की टीम की शुरुआत धीमी रही। ह्युगो केली और निहार परमार की सलामी जोड़ी ने संभल कर खेलते हुए पहले विकेट के लिए 50 रन जोड़े। 14वें ओवर में हार्दिक राज ने निहार परमार (14) को आउट भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद कप्तान कोजी आबे (शून्य) को केपी कार्तिकेय ने बोल्ड कर भारत के लिए दूसरा विकेट झटका। काजुमा काटो-स्टैफ्ड (आठ) पर रनआउट हुए। 33वें ओवर में हार्दिक राज ने ह्युगो केली को आउट कर भारत को बड़ी सफलता दिलाई। केली ने 111 गेंदों में छह चौके लगाते हुये (50) रनों की पारी खेली।

इसके बाद चार्ल्स हिंजे को छोड़कर जापान का कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सका। चार्ल्स हिंजे ने 68 गेंदों में (नाबाद 35) रन बनाये। तिमुती मूरे (एक), आदित्य फाड़के (नौ) और केवाई लेक (एक) रन बनाकर आउट हुये। जापान की टीम निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 128 रन हीं बना सकी और 211 रनों से यह मुकाबला हार गई। भारत की ओर से चेतन शर्मा, हार्दिक राज और केपी कार्तिकेय ने दो-दो विकेट लिए। युद्धजीत गुहा को एक विकेट मिला।

इससे पहले आज यहां जापान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत की आयुष म्हात्रे और वैभव सूर्यवंशी की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 65 रन जोड़े। आठवें ओवर में चार्ल्स हिंजे ने वैभव सूर्यवंशी (23) को आउट कर जापान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 11वें ओवर में आर तिवारी ने आयुष म्हात्रे (50) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। आद्रे सिद्धार्थ (37),निखिल कुमार (12), हरवंश पंगालिया (एक) रन बनाकर आउट हुए।

केपी कार्तिकेय ने 49 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से (57) रनों की पारी खेली। कप्तान मोहम्मद अमान ने 118 गेंदों में सात चौके लगाते हुये (नाबाद 122) रन बनाये। हार्दिक राज ने 12 गेंदों में एक चौका और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 25) रनों की पारी खेली भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवर में छह विकेट पर 339 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जापान की ओर से केवाई लेक और ह्युगो केली ने दो- दो विकेट लिये। चार्ल्स हिंजे और आर तिवारी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

मैं खेलने के लिए तैयार हूं : मार्श ने पिंक बॉल टेस्ट से पहले फिटनेस पर दिया अपडेट

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज ऑलराउंडर मिशेल मार्श ने अपनी चोट के बारे में चिंताओं को दूर करते हुए कहा कि वे भारत के खिलाफ गुलाबी गेंद से होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए 'खेलने के लिए तैयार' हैं, जो 6 दिसंबर से यहां शुरू हो रहा है। 33 वर्षीय मार्श को शुरुआती टेस्ट में 19.3 ओवर गेंदबाजी करने के बाद असहजता महसूस हुई थी जिसे ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ में 295 रनों से गंवा दिया था।

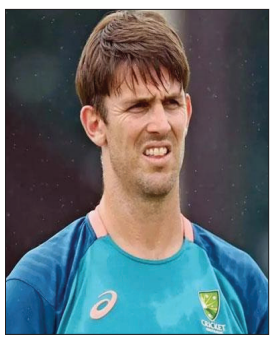

मार्श ने एडिलेड ओवल में होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले अपनी फिटनेस की पुष्टि की है। ऑस्ट्रेलिया ने मार्श की फिटनेस पर संदेह के कारण तस्मानिया के अनकैप्ड ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को टीम में शामिल किया था। हालांकि मार्श ने आश्वासन दिया है कि वे चुनौती के लिए तैयार हैं। किसी भी फिटनेस संबंधी चिंता के बारे में पूछे जाने पर मार्श ने कहा, 'शरीर पूरी तरह से ठीक है, हां। नहीं, नहीं, मैं खेलने के लिए तैयार हूं।' सोमवार को एडिलेड पहुंचने के बाद उन्होंने कहा, 'मैं वहां रहूंगा।' यह खबर ऑस्ट्रेलिया के लिए एक बड़ी राहत की खबर है, जो सीनियर पेसर जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से भी जूझ रहा है, जो साइड स्ट्रेन के कारण पिंक बॉल टेस्ट से बाहर हो गए थे। हेजलवुड की अनुपस्थिति में स्कॉट बोलैंड पेस अटैक में मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस के साथ शामिल हो सकते हैं। बार-बार टखने की चोट से जूझ रहे मार्श ने भी सर्जरी करवाई है जिसके कारण उन्हें 2022-23 की गर्मियों के कुछ हिस्सों से बाहर होना पड़ा। जबकि उनका गेंदबाजी कार्यभार सीमित रहा है, उनकी प्राथमिक भूमिका एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में रही है। पिछले साल एशेज में यादगार शतक के बाद टेस्ट टीम में वापसी करने के बाद से मार्श ने 11 मैचों में 44.61 की औसत से 803 रन बनाए हैं। पर्थ में उन्होंने 67 गेंदों पर 47 रन बनाए, जो शुरुआती टेस्ट में ट्रैविस हेड (89) के अलावा संघर्ष करने वाले एकमात्र ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बन गए।

डब्यूटीसी फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका हैं प्रबल दावेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्यूटीसी) फाइनल के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका को प्रबल दावेदार माना जा रहा है। यहां तक कि यहां तक कि न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड से हारकर भी फाइनल की रेस से पूरी तक बाहर नहीं हुई है। दौड़ में बने रहने उसे अपने बाकी बचे दो मैच जीतने होंगे। इसके अलावा उम्मीद करनी होगी कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को 5 मैचों की सीरीज में 2-1 से हराए। दक्षिण अफ्रीका की टीम श्रीलंका को 2-0 और पाकिस्तान को 2-0 या 2-1 से हराए। फिर श्रीलंका की टीम ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराए या सीरीज 1-1 से बराबर रहे। भारतीय टीम ने पिछली 2 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका ने भी अपनी घरेलू धरती पर पाकिस्तान और श्रीलंका को कई बार हराया है। भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया को 4-0 या 4-1 से सीरीज में हराए तो उसका फाइनल खेलना तय है। वहीं अगर भारत अगर 3-2 से सीरीज जीते तो उसके 58.77 अंक रहेंगे। ऐसा होने पर उसे चाहिये होगा कि ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका से सीरीज ना जीते। भारतीय टीम अगर ऑस्ट्रेलिया से 3-2 या 2-1 से जीती तो दूसरी टीमों के प्रदर्शन से उसका फाइनल में पहुंचना तय होगा। वहीं यदि ऑस्ट्रेलिया की टीम यदि भारत को 3-1, 4-1 सर 4-0 से हराए और फिर श्रीलंका से भी सीरीज जीते तो फाइनल में पहुंचेगी। . यदि ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से 2-1 से जीते और फिर श्रीलंका को 2-0 से हराए तो भी फाइनल में पहुंच सकती है। इसके अलावा अगर ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत से सीरीज हार जाए और उसके बाद श्रीलंका को 2-0 से हराए तो तो भी वह फाइनल में पहुंच जाएगी। दक्षिण अफ्रीका के डब्ल्यूटीसी फाइनल खेलने की संभावना सबसे अधिक है. उसके डब्ल्यूटीसी पॉइंट टेबल में 59.26 अंक (परसेंट) हैं। उसे अभी 3 मैच और खेलने हैं। उसके तीनों ही मैच घर पर हैं. इनमें से दो मैच जीतकर भी वह फाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकता है। अगर श्रीलंका की टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज बराबर करा ले तो उसके 54.55 अंक (परसेंट) हो जाएंगे।

भविष्य को देखते हुए वाशिंगटन सुंदर को तैयार कर रहा टीम प्रबंधन : हरभजन

मुंबई । दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टीम प्रबंधन अब भविष्य को देखते हुए स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर वाशिंगटन सुंदर को तैयार करे। युवा वाशिंगटन सुंदर कोच को गौतम गंभीर भी पसंद करते हैं। हरभजन के अनुसार अभी तक आर अश्विन ने भारतीय टीम की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है पर अब आने वाले समय को देखते हुए उनका विकल्प तैयार रखना होगा। अश्विन ने अपने करियर में भारत के लिए खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया है प अब उनकी उम्र बढ़ती जा रही है। हरभजन ने कहा कि अब अश्विन 38 साल है इसलिए टीम प्रबंधन वाशिंगटन सुंदर को को अवसर दे रहा है क्योंकि जब भी अश्विन संन्यास लेंगे तो वह उनके साथ होगा। टीम को लगता है कि उन्हें वाशिंगटन को तैयार करना है इसलिए मुझे लगता है कि वे उसी राह पर काम कर रहे हैं। भारतीय टीम अभी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 6 दिसंबर से शुरु होने वाले दिन-रात के दूसरे टेस्ट की तैयारी कर रही है। भारतीय टीम अपनी इसमें अपनी अंतिम 11 को लेकर संशय में है। टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा वापस टीम से जुड़ चुके हैं। वहीं शुभमन गिल भी अंगूठे की चोट से उभरने के बाद वापसी कर रहे हैं। ऐसे में पहले टेस्ट की विजेता टीम से दो लोगों को बाहर रखन होगा।

अगले ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की जीत महत्वपूर्ण : रानी रामपाल

रोहतक (एजेंसी) पूर्व कप्तान रानी रामपाल का मानना है कि भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब बेहद महत्वपूर्ण उपलब्धि है क्योंकि यह लॉस एंजिल्स में होने वाले अगले ओलंपिक खेलों के लिए उसकी तैयारी की शुरुआत है। भारतीय महिला हॉकी टीम इस पूरे साल संघर्ष करती रही और वह पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही। भारतीय टीम हालांकि हाल में अपना तीसरा एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब जीतने में सफल रही।

रानी ने पीटीआई से कहा, ''एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की जीत हमारी महिला हॉकी टीम के लिए तैयारी के लिहाज से बहुत महत्वपूर्ण है। इससे उसने 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए अपनी तैयारी की शुरुआत कर दी है। यह अच्छी शुरुआत है। कोच हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम अच्छा प्रदर्शन करेगी।'' इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने हॉकी से संन्यास ले लिया था। इससे पहले उन्हें भारत की सब जूनियर महिला टीम का कोच नियुक्त किया गया था।

रानी ने कहा, ''सब जूनियर खिलाड़ियों के साथ काम करने का मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा और मैंने इससे काफी कुछ सीखा। वे युवा लड़कियां थीं जो मेरे जैसी ही पृष्ठभूमि से आती हैं। उनके मुद्दों को समझना और उनका मार्गदर्शन करना आसान था।'' उन्होंने कोच के तौर पर अपने अनुभव के बारे में कहा, ''मैंने उनसे कहा कि अगर मैं सफल हो सकती हूं तो आप भी सफलता हासिल कर सकती हो। उन्हें मार्गदर्शन की जरूरत है और मैंने उनके साथ अपने अनुभव साझा करके उन्हें वह मार्गदर्शन देने की कोशिश की।''

यह पूर्व स्ट्राइकर आगामी हॉकी इंडिया लीग में सूरमा हॉकी क्लब के लिए मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में काम करेगी। इसमें पहली बार महिलाओं का टूर्नामेंट भी होगा। रानी ने 2008 में 14 साल की उम्र में ओलंपिक क्वालीफायर में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था। उन्हें पता है कि एक युवा खिलाड़ी किस तरहके दबाव का अनुभव करता है। उन्होंने कहा,''मैं सूरमा क्लब की मेंटर बनने जा रही हूं इसलिए मैं अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से उस भूमिका को निभाने की पूरी कोशिश करूंगी। युवा खिलाड़ियों पर मानसिक और भावनात्मक रूप से प्रदर्शन करने का बहुत दबाव होता है। में इसमें उनकी मदद करना चाहूंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फैशन में नए एक्सपेरिमेंट करते रहें

टीनेज की उम्र में हर कोई फैशन की तरफ अट्रैक्ट होता है। इस उम्र में आमतौर पर युवा कुछ न कुछ नए एक्सपेरिमेंट करना पसंद करते हैं। इस उम्र में आप अपनी पर्सनैलिटी और एटिट्यूट अपनी ड्रेसेज और एसेसरीज से एक्सप्रेस कर सकते हैं।

- **टी-शर्ट विद स्लोगन** : युवावस्था में अपना एटीट्यूट खुलकर समाने ला सकते हैं। इसका सबसे अच्छा तरीका है, 80 के स्टाइल की ब्राइट कलर की स्लोगन लिखी टी-शर्ट पहनें। टी-शर्ट पर किसी भी तरह की आर्ट दर्शाई जा सकती है। चाहे वह आपका फेवरिट सुपर हीरो हो या वह लाइन जो आपके दिमाग में है।
- **बेसबॉल कैप्स** : कॉलेज में ज्यादातर सब ही लड़के कैप पहने हुए देखे जा सकते हैं। बेसबॉल कैप्स 90 के दशक में चर्चित हुई थी और अभी भी ट्रेंड में है। वह परफेक्ट एसेसरीज है और जींस और टी-शर्ट के साथ पहनी जा सकती है।
- **स्कार्फ्स** : मोटे निटेड वालों से लेकर ब्राइट रंग और पैटर्न वाले स्कार्फ हर वॉर्डरोब में जरूर होने चाहिए। यह वेस्ट पर या ब्रेसलेट की तरह हाथ पर बंधे हुए बहुत अच्छे लगते हैं।
- **जंक ज्वैलरी**: सड़क के किनारे लगी दुकानों पर आप थोड़ी बारगेनिंग में आपकी पसंदीदा ज्वैलरी मिल जाएगी। आजकल वैसे ब्राइट रंग के स्टोंस और नकली डायमंड रिंग भी पॉपुलर होती जा रही है। बीड्स भी टोन फैशन से कभी बाहर नहीं होते। आजकल ज्वैलरी पहनने में लड़के भी पीछे नहीं हैं। उन्हें एक बड़ा सिल्वर पेंडेट या एक कान में इयरिंग पहनना अच्छा लगता है।
- **पोलका डॉट्स** : पोलका डॉट्स कभी भी आउट ऑफ स्टाइल नहीं जाते। लड़कियां एक वेल फिटेड पोलका डॉट ड्रेस हील्स के साथ पहन सकती हैं। यह यलो और ग्रीन कलर में बहुत ही फंकी लुक देते हैं। आप कॉलेज के लिए एक लॉन्ग पोलका प्रिंट टॉप लेनिग्स और फ्लैट्स के साथ पहन सकती हैं।
- **बेल्ट्स** : लंबी, छोटी, पतली, मोटी और सॉलिड रंगों में एम्बेलिशमेंट वाली बेल्ट हर टीन के बॉर्डरोब का एक अहम् हिस्सा होती है। बेल्ट अब बस पैंट या जींस के ऊपर रखने के लिए नहीं होती, बल्कि अब यह ड्रेसेज, लॉन्ग टी-शर्ट और ट्यूनिक्स के ऊपर भी पहनी जा सकती है।
- **मोबाइल फोन** : लेटेस्ट मॉडल होने के साथ-साथ उसके साथ सही एसेसरीज होना भी जरूरी है। मोबाइल केस, स्टिकर्स, मोबाइल हैंगिंग्स सब फोन की पर्सनैलिटी बढ़ाते हैं।

लौट रहे हैं वाइब्रेंट कलर्स

फैशन वर्ल्ड में कलर्स का आना-जाना सामान्य बात है। लेकिन कुछ समय बाद पुराने वाइब्रेंट कलर्स लौटे हैं, जो बहुत ही सूदिंग लुक में हैं।

अपने डिफरेंट शेड्स के साथ यह कलर टीनेजर्स से लेकर सेलीब्रिटीज की पहली पसंद बना हुआ है। यहां तक कि फैशन डिजाइनर्स ने भी अपने कलेक्शन में इस बार जमकर इस रंग का प्रयोग किया है।

ताजगी भरा अहसास

बीच में कुछ समय गायब रहने के बाद लौटे इस कलर ने फैशन जगत में एक नई ताजगी भर दी है। इसलिए आप भी अपने वॉर्डरोब में छिपे इस वाइब्रेंट कलर को दोबारा बेखौफ होकर बाहर निकाल सकती हैं।

खुद करें चयन

यदि आपको ब्राइट यलो पसंद नहीं है, तो आप लाइट और सॉफ्ट यलो कलर्स को चुन सकती हैं। लेमन यलो और लाइट यलो कलर्स सभी पर फबेंगे। मिक्स-मैच कई लोगों के लिए सॉलिड यलो पहनना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसे में आप दूसरे रंगों के कॉम्बीनेशन के साथ इस रंग को पहन सकती हैं। यलो को लाइट ब्लू, बोल्ड ग्रीन, बेबी पिंक और व्हाइट के साथ आराम से मैच किया जा सकता है।

बच्चों में भी फैशन का क्रेज

फैशन की दौड़ में जब सारी दुनिया दीवानी हो रही है, तो भला बच्चे कैसे पीछे रह सकते हैं। बच्चों में भी अब फैशन का क्रेज आजकल हर जगह देखने को मिलता है, बच्चे जो स्वयं को कैसे फैशन के अनुसार ढालना चाहते हैं, इसे देखकर कभी-कभी फैशनेबल माता-पिता भी हैरत में पड़ जाते हैं। घर, स्कूल या पार्टी हो, सजी जगह बच्चे जमाने की चाल में चलना पसंद करते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं। मां-बाप भी फैशन के प्रति जागरुक होते जा रहे हैं, जो बच्चों को मेचिंग में रखना ही पसंद करते हैं, जैसे ड्रेस वैसे मौजे, जूते, रूमाल वगैरह-वगैरह।

खिलौने और गेम्स

नए खिलौने, गेम्स जो भी प्रचलन में होते हैं, बच्चों की फरमाइश पर हाजिर हो जाते हैं। जब बच्चे स्कूल जाना शुरू करते हैं, तब भी फैशन के बैग, कम्पास, पेंसिल, रबर लाकर ही दिए जाते हैं। उनके पास नहीं भी होते हैं, तो वे अपने दोस्तों के पास देखकर आकर्षित होते हैं और नई-नई चीजें लाने की मांग करते हैं। समय के साथ चलती यह जागरूकता ही कहिए जिससे वे स्वयं को अलग सा दिखाना चाहते हैं और अपने को नए रूप में स्थापित करना चाहते हैं। सबके आकर्षण का केंद्र बन सकें, दोस्तों के दिल में समां सकें, शिक्षकों व रिश्तेदारों की प्रशंसा पा सकें, इसलिए वे जमाने के नित नए फैशन को अपनाना चाहते हैं।

नए फैशन के मुरीद

वे सोचते हैं कि वर्तमान में जो फैशन चल रहा है, अगर उसे नहीं अपनाएंगे तो हम 'ओल्ड फैशन' की उपाधि से अलंकृत हो जाएंगे। लेकिन कई बार वे यह नहीं सोच पाते हैं कि जो भी फैशन चल रहा, उससे मां-बाप और निकटवर्ती लोगों में हमारी छवि कैसी बनेगी। यह भी है कि फैशन के इस दौर में फैशन के साथ चलने के लिए बच्चे ब्रांडेड कंपनी की वस्तुओं को ही ज्यादा पसंद कर रहे हैं। जैसे-जूते यदि ब्रांडेड कंपनी के हों चाहे वह कम पसंद आ रहे हैं और वहीं दूसरे (लोकल ब्रांड) जूते उससे कहीं अच्छे भी हों तो भी जागरुक बच्चे ब्रांडेड कंपनी के जूते ही पहनना पसंद करेंगे। इस बात को भी नकारा नहीं जा सकता है।

जायका

पालक पनीर

सामग्री

पालक- 500 ग्राम, चीनी आधा छोटी चम्मच, पनीर- 200 ग्राम पनीर को चौकोर टुकड़ों में काट लें, रिफाइंड तेल- 2 टेबिल स्पून, हींग- 1-2 पिंच, जीरा-आधा छोटी चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 छोटी चम्मच, कसूरी मैथी- 2 छोटी चम्मच (डंडियां हटाकर प्रयोग करें), टमाटर- 2-3, हरी मिर्च-3-4, अदरक-1 इंच लम्बा टुकड़ा, बेसन- 2 छोटे चम्मच, क्रीम या मलाई- 2 टेबिल स्पून, लाल मिर्च- 1/4 छोटी चम्मच से कम (यदि चाहें), नमक- स्वादानुसार, गरम मसाला- एक चौथाई छोटी चम्मच, नींबू का रस- 2 छोटी चम्मच

बनाने की विधि

पालक की डंडियां तोड़कर हटा दीजिये, पत्तों को अच्छी तरह धोकर एक बर्तन में डालें, चौथाई कप पानी और चीनी डाल दीजिए, ढंककर उबालने रख दीजिए, 5-6 मिनट में पालक उबल जाता है। गैस बन्द कर दीजिये। पनीर के चौकोर टुकड़े काट लीजिए। आप पनीर को तलकर या बिना तले दोनों तरीके से तरी में डाल सकती हैं (पनीर को तलने के लिये नान स्टिक तवा गरम कीजिये, थोड़ा सा तेल डालिये और पनीर के टुकड़े तवे पर डाल कर दोनों ओर हल्का ब्राउन होने तक तल लीजिये) टमाटर को धोइए, टुकड़ों में काटिये। हरी मिर्च के डंठल तोड़िये, धोइये। अदरक को छीलिए, धोइए और 3-4 टुकड़े कर लीजिए। इन सबको मिक्सी से बारीक पीस लीजिये। कढ़ाही में तेल डाल कर गरम कीजिये। गरम तेल में हींग और जीरा डाल दीजिए।

जीरा भूनने के बाद, हल्दी पाउडर और कसूरी मैथी डालिए, अब बेसन डालकर थोड़ा सा भूनिए, अब इस मसाले में टमाटर, अदरक, हरी मिर्च का पेस्ट डाल दीजिए और मसाले को 2 मिनट भूनिए, अब क्रीम या मलाई डालिए और मसाले तब तक भूनिए, जब तक मसाले के ऊपर तेल न तैरने लगे। उबले पालक को ठंडा होने के बाद मिक्सी से बारीक पीसिए, पालक के पेस्ट को भूने हुए मसाले में मिलाएं। तरी में जितना चाहें गाढ़ी या पतली रखना है, पानी और नमक डाल दीजिए, उबाल के बाद पनीर के टुकड़े डालें, 2-3 मिनट पकाइये।

पालक पनीर की सब्जी तैयार है। पालक पनीर की सब्जी में गरम मसाला और नींबू का रस मिला दीजिये।

वेडिंग सीजन में फैशन ट्रेंड

ब्राइडल एशिया एग्जीबिशन लगे और शादियों का फैशन फोरकास्ट न किया जाए, ऐसा कैसे हो सकता है? इस एग्जीबिशन से निकले कौन से ट्रेंड इस बार शादियों में आपको दिखाई देने वाले हैं। जिससे चार चांद लग जाएं।

ढोल और नगाड़ों का मौसम शुरू हो गया है। शामियाने सजने लगे हैं। शादियाने बजने लगे हैं। यानी वेडिंग सीजन की शुरुआत हो गई है। आइए एक नजर डालें इस बार के वेडिंग ड्रेसेज के आने वाले नए ट्रेंड पर:

मेरा वाला पिंक चाहिए!: पिंक को कलर ऑफ द सीजन कहना गलत न होगा। अगर आपने ब्राइडल एशिया एग्जीबिशन देखी होगी तो गौर किया होगा कि हर कोने, हर जर्रे में यही रंग बिखरा हुआ था। कहीं बेबी पिंक के रूप में सादगी सी खूबसूरती का बायस बना था तो कहीं मजेंटा पिंक के रूप में तड़कता-भड़कता ग्लैमर नजरों को लुभा रहा था। न सिर्फ परिधान बल्कि ज्वैलरी, एसेसरी और फुटवियर तक में पिंक रंग चमकेगा। फैशन डिजाइनर जया राठौड़ की मानें तो शादी के परिधानों के लिए पिंक लहंगे या साड़ी को सुनहरे तारों से बुना जाएगा, जिससे पिंक में गोल्ड इफेक्ट आए या फिर इसके साथ मोव रंग की जुगलबंदी की जाएगी, ताकि रॉयल अहसास महसूस हो। ज्वैलरी को भी पिंक स्टोन से हाइलाइट किया जाएगा।

घेर वाले परिधान: ब्राइडल एशिया में डिजाइनरों ने जिस चीज पर सबसे ज्यादा फोकस किया, वह थी वेस्टलाइन। यानी कमर पर से फिट ड्रेस। ब्राइडल गाउन हों या अनारकली कुर्तियां या फिर लहंगे। हर परिधान की खासियत है कि उसे कमर से फिट रखा जाता है। उसके बाद ढेर सारा घेर देते हुए खुला छोड़ दिया गया था। ये सारे परिधान फेमिनिटी को उभारने की पूरी कोशिश कर रहे थे।

फैशन डिजाइनरों के मुताबिक, इस बार शादियों में इंडोवेस्टर्न का जलवा दिखेगा। डिजाइनर भारतीय फैब्रिक से भारतीय परिधान बनाएंगे। उन पर कढ़ाई भी भारतीय रहेगी, मगर उसे शेप और कट से वेस्टर्न लुक दिया जाएगा। वेस्टलाइन को हाइलाइट करने के लिए जहां लेस, जरी और स्टोन का इस्तेमाल किया जाएगा, वहीं घेरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए फ्रिल, नेट और जरी का इस्तेमाल किया जाएगा।

चोली कट और जैकेट : इस वेडिंग सीजन में अपर वियर यानी लहंगे के ऊपर पहनने वाले परिधानों में खूब वैरायटी दिखाई देगी। अगर आप ग्लैमरस लुक चाहती हैं तो आपके लिये बैकलेस शॉर्ट चोली बेहतर रहेगी। अगर आप एलिगेंस लुक चाहती हैं तो नेहरू कॉलर कमर तक की या घुटने वाली लेंथ वाली जैकेट ट्राई कर सकती हैं। इस बाबद जया बताती हैं चोली तो पहले से चलन में है, मगर जैकेट ने इस बार वापसी की है।

घर की खिड़कियों को खूबसूरत बनाएं

घर की खिड़कियों की आपके कमरे के लुक और फील को बढ़ाने में अहम भूमिका होती है। जाहिर-सी बात है कि दीवारों को उचित रंग देने के बाद खिड़कियों को सजाने के बारे में आप सोचेंगी। अपने कमरे की खिड़कियों को खूबसूरत और कूल बनाना चाहती हैं, तो परदों के रंग, रॉड और फैब्रिक की खूबसूरती पर जरूर गौर फरमाएं।

रंग-बिरंगे रेशमी परदे

परदे का रंग आपके कमरे के डेकोर से मेल खाता होना चाहिए। अतः कमरे के लिए परदे का चयन करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखें। साधारण से कमरे में हल्के रंगों के परदे और बड़े कमरे के लिए हैवी लुक वाले स्टाइलिश परदे परफेक्ट हैं। कमरे में खिड़की की सजावट का एक बहुत आसान तरीका परदे में रिबन या गांठ बांधना भी है। आप इसे घर में भी बना सकती हैं।

प्रिंटेड और प्लेन परदे

प्रिंटेड और प्लेन परदे को मिलाकर खिड़कियों पर लगाएं। इससे अच्छा लुक आएगा। सार्टन की कोई पुरानी साड़ी हो, तो आप लैस लगाकर परदा तैयार कर सकती हैं या फिर कुशन कवर भी बना सकती हैं। सोफा व कुशन कवर का चयन भी परदे के रंग से मैच करता हुआ ही खरीदें। इन दिनों हरे रंग का कॉम्बीनेशन ज्यादा डिमांड में हैं।

लाइट व डार्क परदे

ऑफिस हो या घर आप अपने मनपसंद के अनुसार पर्दे खरीद सकते हैं। ऑफिस में लाइट कलर के व घरों में डार्क कलर के पर्दे सुंदर व आकर्षक लगते हैं। दोनों में ही कलर व डिजाइन एक से बढ़कर एक आ रहे हैं। इसमें 50 रुपये से 300 रुपये प्रतिमीटर की रेंज उपलब्ध है।

परदे को रॉयल लुक दे कर्टन रॉड

कर्टन रॉड का इस्तेमाल परदों को हैंग करने के लिए किया जाता है। घर में यदि डिजाइनर कर्टन रॉड लगे हों, तो कमरों की खूबसूरती में चार चांद लग जाते हैं। आजकल कर्टन रॉड की कई रेंज मार्केट में उपलब्ध हैं। इनमें रंगों की वैरायटी में देखने को मिल जाएगी, फिर भी सफेद, डार्क ब्राउन और ब्लैक रंग की ज्यादा डिमांड है। ये लकड़ी, एल्युमिनियम, आयरन, फाइबर के अलावा प्लास्टिक में भी उपलब्ध हैं। इन दिनों स्टील और मेटेलिक सर्फेस के लिए मैग्नेटिक कर्टन रॉड में मिल रहे हैं। ऐसे रॉड को दीवारों से लगाने के लिए ड्रिलिंग की जरूरत नहीं पड़ती। परदे के हिसाब से रॉड का चुनाव करें, ताकि परदे का वजन रॉड आसानी से उठा सके। यदि हैवी परदे लगाने हों, तो रॉड का मैटेरियल भी उसी के हिसाब से खरीदें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बढ़ती उम्र में इस तरह करें मेकअप

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, त्वचा के कसाव में कमी आना, झुर्रियां, आखों का ड्राई होना और न जाने कितनी ही समस्याओं से महिलाओं को दो चार होना पड़ता है। ऐसे में अपने चेहरे की कमियों को छिपाने और खुद को आकर्षक दिखाने के लिए वह मेकअप का सहारा लेती हैं। लेकिन बढ़ती उम्र में आपके मेकअप के तरीके में बदलाव करना भी बेहद आवश्यक हो जाता है। अगर आपका मेकअप व उसे लगाने का तरीका सही नहीं होगा तो आपको बूढ़ी घोड़ी लाल लगाम जैसे जुमले भी सुनने को मिल जाएंगे। तो आईए जानते हैं मेकअप करने के सही तरीकों के बारे में-

सीटीएमपी है सही

चालीस साल के बाद त्वचा ड्राई हो जाती है। ऐसे में स्किन को नरिश करने के लिए सीटीएमपी अर्थात क्लींजिंग, टोनिंग, मॉयश्चराइजिंग एंड प्रोटेक्शन आवश्यक है। क्लीजिंग के लिए आपको नरिशिंग क्लीजिंग मिल्क का इस्तेमाल करना चाहिए। यह त्वचा को डीप क्लीन करने के साथ-साथ रूखेपन से भी दूर करता है। स्किन पर एजिंग दिखने का एक मुख्य कारण ओपन पोर्स होते हैं। इन पोर्स को कम करने के लिए क्लीजिंग के बाद टोनिंग करना बेहद आवश्यक है। ध्यान रहे कि आपका टोनर एल्कोहल युक्त न हो बल्कि उसमें लाइकोपीन हो। साथ ही चेहरे की नमी को बनाए रखने के लिए मॉयश्चराइजर जरूर लगाएं। चेहरे की केयर करना जितना आवश्यक है, उतना ही जरूरी है उसकी प्रोटेक्शन। सूर्य की हानिकारक किरणें न केवल त्वचा को झुलसा देती हैं, बल्कि इनके कारण झुर्रियां, ब्राउन स्पॉट्स आदि एजिंग की निशानियां दिखाई देने लगती हैं। इसलिए इनसे बचने के लिए धूप में निकलने से पहले सनस्क्रीन अवश्य लगाएं।

न हो अधिक

अक्सर महिलाएं सोचती हैं कि यदि उन्हें अपने चेहरे की कमियों को छिपाना है तो इसके लिए बहुत अधिक मेकअप करना पड़ेगा। लेकिन वास्तव में उनकी यह सोच एकदम गलत है। बढ़ती उम्र में महिलाओं को हमेशा ही लेस इज मोर का फंडा अपनाना चाहिए। साथ ही मेकअप को थोपने की बजाय उसे चेहरे पर मिक्स करें ताकि वह आपकी स्किन का ही एक पार्ट लगे और आपका चेहरा बेढंगा न दिखाई दे।

लाइट है बेस्ट

आपका मेकअप सिर्फ लेस ही होना आवश्यक नहीं है, बल्कि आपकी मेकअप किट में आपको लाइट कलर को एड कर देना शुरू कर देना चाहिए। अमूमन बढ़ती उम्र में बहुत अधिक ब्राइट कलर्स अच्छे नहीं लगते। वहीं लाइट कलर आपकी पर्सनैलिटी को एक एलीगेंट लुक देते हैं। ब्लशर से लेकर लिपस्टिक तक आप पीच, लाइट ब्राउन, पिंक, मॉव कलर आदि का चयन करें। अगर आपको रेड कलर पसंद है तो आप लिपस्टिक में ब्राइट रेड की जगह डीप रेड ही लगाएं। इसके अतिरिक्त उम्र के इस पड़ाव में होंठ थोड़े पतले लगने लगते हैं, इसलिए उनका उभार बनाए रखने के लिए व उन्हें थोड़ा मोटा दिखाने के लिए लिपग्लॉस लगाना बेहतर रहता है। इससे होंठों में भी एक चमक आ जाती है।

ब्लश करेंगे चिक्स

जैसे आपका मेकअप आईस और लिप्स के मेकअप के बिना अधूरा ही रह जाता है, ठीक उसी प्रकार ब्लश के बिना भी आपका मेकअप पूरा नहीं होता। अक्सर हम मेकअप के दौरान ब्लश को नजरअंदाज ही कर देते हैं, लेकिन यदि आपके चेहरे पर बढ़ती उम्र के साइन नजर आते हैं तो ब्लश को नजरअंदाज करना आपकी बहुत बड़ी भूल साबित होगी। ब्राउन ब्लश आपके चेहरे को एक नई परिभाषा व आकार देने के लिए पर्याप्त है।

नकली लैशेज का कमाल

समय के साथ हार्मोंस में बदलाव के कारण महिलाओं के लैशेज टूटने लगते हैं। आजकल मार्केट में नकली लैशेज आसानी से अवेलेबल हैं। इन्हें लगाने से आंखों को एक नया रूप मिलता हैं। इसलिए यदि आप किसी पार्टी के तैयार हो रही हैं तो नकली लैशेज का प्रयोग करना अच्छा रहता है।

इन बातों का रखें ख्याल

खाना सिर्फ आपका पेट ही नहीं भरता बल्कि इसमें वह सभी पोषक तत्व होते हैं जो आपके शरीर के विकास में कहीं न कहीं सहायक होते हैं। अगर आप चाहती हैं कि बढ़ती उम्र में भी आपके चेहरे की रौनक बनी रहे तो आप अपने खाने का भी खास ख्याल रखें। जहां तक बात एंटी-एजिंग फूड की है तो यह उम्र के बढ़ते असर को तो कम करते हैं ही, साथ ही शरीर की क्षतिग्रस्त कोशिकाओं को ठीक कर शरीर के सभी क्रियाकलापों में सहायता करते हैं।

पानी शरीर के लिए किसी अमृत से कम नहीं है। इसलिए दिन में कम से कम आठ से दस गिलास पानी अवश्य पीएं। इससे शरीर डिटॉक्सीफाई होने के साथ त्वचा भी नर्म बनी रहती है। साथ ही साथ ज्यादा मीठी चीजों का सेवन न करें।

एजिंग की समस्याओं से बचने के लिए जरूरी है कि आप अपनी फिटनेस के प्रति भी जागरूक रहें। स्वस्थ बने रहने के लिए आप साइकिलिंग, जॉगिंग, जिमिंग, स्विमिंग आदि का सहारा ले सकती हैं। इसके अतिरिक्त अपने चेहरे के प्राकृतिक सौंदर्य और तंदुरूस्ती को बरकरार रखने के लिए योग भी एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। विशेषकर चेहरे के लिए किए गए फेस योग से उम्र का असर धीमा हो जाता है।

बच्चों में नैतिक मूल्यों का विकास

बच्चों में नैतिक मूल्यों के विकास से मतलब है उन्हे अच्छे संस्कार देना और अपनी संस्कृति से रूबरू करवाना जिससे वे अपने साथ-साथ पूरे समाज को सही रास्ते पर ले जा सके। बच्चे हमारी परंपराओं के खेवनहार और देश का भविष्य होते हैं पर बच्चे में नैतिक मूल्यों की कमी उनके चरित्र को तबाह कर देती है और वे छोटी उम्र में ही चोरी, बेइमानी और झूठ-धोखा करने लगते हैं। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि ऐसे बच्चे बड़े होने पर देश और समाज का क्या भला करेंगे?

नैतिक मूल्यों की जरूरत

कोई बच्चा पढ़ाई-लिखाई में कितना भी होशियार हो पर यदि उसमें नैतिक शिक्षा का अभाव है तो सब बेकार है। नैतिकता हमारी शख्सियत को निखारने की पहली सीढ़ी है। नैतिकता ही वह खूबी है जो हमारे सामाजिक होने की पहचान कराती है और जीवन को बेहतर ढंग से जीना सिखाती है।बच्चों को नैतिक मूल्यों की जानकारी देना इसलिए जरूरी है ताकि वे अच्छे-बुरे, सही-गलत का फर्क समझ सकें और जान सकें कि क्या करने से समाज में आदर, सराहना और प्यार मिलता है और क्या करने से नहीं।

नैतिक मूल्यों की जानकारी देने के लिए क्या करें

बच्चे को नैतिक मूल्यों की जानकारी सबसे पहले परिवार में मिलती है। सबसे पहले मां-बाप ही बच्चों में नैतिक मूल्यों के बीज रोपते हैं। परिवार में ही बच्चा संस्कार, नैतिकता और शिष्टाचार की जानकारी पाता है जिससे वह जान सके कि समाज में बड़ों के साथ, अपने मित्रों के साथ और अन्य लोगों के साथ कैसे व्यवहार करना चाहिए।

घर का माहौल

जैसा ऊपर बताया गया है कि बच्चे का पहला स्कूल उसका घर होता है, तो सबसे पहले घर का माहौल स्नेहशील होना चाहिए। घर का माहौल खुशनुमा होना, घर में बड़ों को आदर होना, बोल-चाल में सभ्यता और सौम्यता, एक-दूसरे के प्रति लगाव जैसी बातों से बच्चे प्रेरित होते हैं और इन बातों को बड़ी जल्दी सीखते हैं।

दोस्ती-यारी का असर

जब बच्चे एक-दूसरे के साथ खेलते हैं तो यह उनमें समाजीकरण की अहसास पैदा करता है। उसके समूह में बच्चे के कुछ गलत किए जाने पर उसे एसा न करने के लिए समझाना या कुछ अच्छा करने पर उसकी प्रसंसा करना उसके आचरण और बर्ताव पर असर करता है पर बच्चों की संगत पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। बच्चा जिसके सम्पर्क में आता है, उसी का अनुसरण करता हैं। यह बात घर के बाहर भी लागू होती है। बच्चे घर से ज्यादा अपने यार-दोस्तों की संगत में सीखते हैं। अगर उसके साथियों में झूठ बोलना, चोरी करना जैसी आदतें है तो बच्चा बड़ी जल्दी उसका शिकार बनेगा।

मनोरंजन गतिविधि

बच्चों को नैतिक मूल्यों की जानकारी के लिए मौज-मस्ती और मनोरंजन का किरदार भी अहम् है। अच्छी फिल्में, टीवी प्रोग्राम, कॉमिक्स, कहानियां बच्चों के लिए स्वस्थ्य मनोरंजन का साधन होने के साथ-साथ उनके कोमल मतिष्क पर बड़ी जल्दी असर करती हैं।

माता-पिता को कोशिश करनी चाहिए कि वह बच्चों को बचपन से ही नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना शुरू करें। नैतिक मूल्यों की जानकारी बच्चों को सभ्य, चरित्रवान, कर्तव्यनिष्ठ एवं ईमानदार बनाती है।

अगर बाथरूम में रख रहे हैं टूथब्रश तो हो जाएं सावधान

आपने बचपन से सुना होगा कि दांतों की बेहतर सफाई के लिए दिन में दो बार ब्रश करना चाहिए। जब आप आराम से दिन में दो बार ब्रश करते हैं तो इससे आपको कैविटी आदि होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्वस्थ और मजबूत दांतों के लिए सिर्फ सही तरह से ब्रश करना ही काफी नहीं होता, बल्कि दांतों में इस्तेमाल किए जाने वाले टूथब्रश की यदि सही तरह से देख-रेख न की जाए तो आपके मुंह में बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। तो चलिए जानते हैं कि टूथब्रश रखने का सही तरीका क्या हो-

बदलते रहें समय-समय पर

अमूमन लोग अपने ब्रश को तब तक इस्तेमाल करते हैं, जब तक उसके ब्रिसल खराब नहीं हो जाते लेकिन वास्तव में आपको हर तीन माह में अपने ब्रश को बदल लेना चाहिए। साथ ही अगर आप किसी बीमारी को हराकर उठे हैं तो भी आपको अपना ब्रश बदल लेना चाहिए ताकि वह बीमारी दोबारा आपको प्रभावित न कर सके।

न रखें बाथरूम में

वैसे तो लोग बाथरूम में ही टूथब्रश को रखते हैं लेकिन वास्तव में इन्हें बाथरूम में रखना उचित नहीं माना जाता। दरअसल, आजकल टायलेट अटैच बाथरूम का चलन है। ऐसे में अगर आपका टूथब्रश कमोड के पास होता है तो बहुत से सूक्ष्म जीवाणु आपके ब्रश पर आ जाते हैं और फिर यह आपके मुंह से शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। इसलिए जहां तक हो, इसे बाथरूम में रखने से बचें। अगर आप इसे बाथरूम में रख रहे हैं तो कमोड से इसकी दूरी कम से कम दो फीट तो होनी ही चाहिए।

ऐसे रखें टूथब्रश

टूथब्रश को टूथब्रश स्टैंड में रखने का भी एक तरीका होता है। सबसे पहले तो आप हमेशा ही टूथब्रश को खड़ा करके रखें, ताकि इसमें मौजूद पानी निकल जाए और नमी के कारण आपके ब्रश में बैक्टीरिया न पनपें। इसके अतिरिक्त आप इस बात भी ध्यान रखें कि आपका टूथब्रश घर के अन्य सदस्यों के ब्रश से न टकराए। इससे एक टूथब्रश के बैक्टीरिया आसानी से दूसरे टूथब्रश में चले जाते हैं। वहीं आप कभी भी ब्रिसल को ढक कर रखने के लिए मिलने वाले बॉक्स में रखें। इससे आपके ब्रश में नमी रह जाती है और बैक्टीरिया पनपने लग जाते हैं।

जरूर करें सफाई

जिस तरह आप अपने दांतों की सफाई के लिए ब्रश का इस्तेमाल करते हैं। ठीक उसी तरह इस्तेमाल के बाद ब्रश की सफाई करना न भूलें। इसके लिए आप पानी को उबाल कर उसमें तीन-चार मिनट के लिए ब्रश को डालें। इससे ब्रश में मौजूद सभी बैक्टीरिया खत्म हो जाएंगे।

जानिए शरीर में फाइबर की कमी के क्या हैं संकेत

आपके शरीर की कार्यप्रणाली के सही तरह से संचालन के लिए जिस प्रकार आपको प्रोटीन, विटामिन और मिनरल्स की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार फाइबर भी बेहद आवश्यक होता है। आमतौर पर लोग इस ओर ध्यान नहीं देते। दरअसल, फाइबर एक अपचनीय कार्बोहाइड्रेट है जो आपके शरीर को ठीक से काम करने में मदद करता है। अगर आपके शरीर में पर्याप्त मात्रा में फाइबर नहीं होता तो इससे आपको कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

बढ़ता वजन : जो लोग अपनी बॉडी और लुक को लेकर कॉन्शियस रहते हैं, उन्हें तो विशेष रूप से फाइबर की उच्च मात्रा अपने आहार में रखनी चाहिए। दरअसल, फाइबर के कारण आपको हमेशा पेट भरे होने का अहसास होता है और आप अतिरिक्त कैलोरी का सेवन करने से बच जाते हैं। इसलिए अगर अत्यधिक कैलोरी के सेवन से आपका वजन लगातार बढ़ रहा है तो यह संकेत है कि आपके शरीर में फाइबर की कमी हो गई है।

कब्ज की शिकायत : फाइबर आपके पाचन तंत्र पर व्यापक प्रभाव डालता है। अगर आपके शरीर में फाइबर की कमी हो जाती है तो इससे आपको न सिर्फ मलत्याग में परेशानी होती है, बल्कि कब्ज होने की संभावना भी बढ़ जाती है।

बढ़ता कोलेस्ट्रोल : अगर आपके शरीर में कोलेस्ट्रोल का स्तर उच्च रहता है तो यह संकेत हैं कि आप अपने आहार में पर्याप्त मात्रा में फाइबर नहीं ले रहे हैं। दरअसल, फाइबर ट्राइग्लिसराइड्स कम करने में मदद करता है और साथ ही यह गुड कोलेस्ट्रोल के स्तर को भी बढ़ाता है। इसके अतिरिक्त उच्च-फाइबर युक्त खाद्य पदार्थ आपको ब्लड प्रेशर व हृदय संबंधी अन्य समस्याओं से भी राहत दिलाते हैं।

सुस्ती का अहसास : अक्सर जब आप हैवी भोजन करते हैं तो आपको सुस्ती का अहसास होता है। लेकिन अगर आपको हमेशा ही भोजन के बाद नींद आने का अहसास होता है और आप नैप लेते हैं तो यह भी फाइबर की कमी का संकेत है। दरअसल, फाइबर आपके रक्त में शर्करा के स्तर को स्थिर बनाए रखने के लिए आवश्यक होता है और जब यह अस्थिर होता है तो आपको हमेशा ही सुस्ती का अहसास होता है।

बार-बार भूख लगना : जैसा कि हम आपको बता चुके हैं कि फाइबर को पचाने में शरीर को समय लगता है। जिससे आपको काफी समय तक पेट भरे होने का अहसास होता है। लेकिन अगर आपको भोजन करने के कुछ देर बाद ही भूख का अहसास हो रहा है तो यह संकेत है कि आपके आहार में फाइबर की कमी है और अब आपको फाइबर युक्त भोजन करने की आवश्यकता है।

स्फूर्तिदायक मॉकटेल
गर्मियों को मात देने वाले पेय पदार्थ

तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी होने लगी है, लेकिन गर्मी दूर करने के लिए आपको हमेशा 208 कैलोरी वाली ठंडी बीयर की आवश्यक नहीं हैं। न ही जब आप बाहर से आकर घर में प्रवेश करें, तो अधिक बर्फ के साथ एक गिलास ठंडा पेय पीने की जरूरत है। इन गर्मियों में, एक स्वस्थ जीवनशैली का चयन करें और नीचे दिये गए इन मॉकटेल को अपनी दैनिक दिनचर्या में शामिल करें। पूरे दिन लंबे समय तक काम करने के बाद, आप इनमें से किसी भी शराब-रहित शीतल पेय को चुन सकते हैं। अपने फलों के मिश्रण को तैयार करें और इन पेय पदार्थों को बनाना सीखें :

ब्लड औरेंज एंड जिंजर सोडा

क्या आपको अपने पेय को एक चटपटे तरीके से बनाना पसंद हैं। तो कुछ नारंगी रंग के संतरे को कुचल (स्क्वैश) लें और उसमें थोड़ी सी अदरक डालें। (जिंजर सोडा तैयार करना कठिन नहीं हैं, पानी में चीनी और अदरक एक साथ डालकर उबालें और इसे छान लें, इस पानी में सोडा डालें और उसके बाद आपका जिंजर सोडा तैयार है)। पेय को और अधिक ताजा बनाने के लिए कुछ पुदीने की पत्तियों को साथ में डाल सकते हैं। शीघ्र और कम से कम समय में बहुत ही कम सामग्री के साथ बने इस पेय को आप अपने पसंदीदा पेय में से एक बना सकते हैं। आपको इसके लिए केवल ताजे संतरों की जरूरत है और ये आपकी सेहत के लिए एक बेहतर पेय हैं।

वाटरमेलन-लाइम सोडा

गर्मियों में जब प्यास बुझाने और अपने दिमाग को ठंडा करने की बात आती है तो पानी से भरपूर तरबूज से बेहतर कुछ भी नहीं है। एक जार में तरबूज के टुकड़ों का मिश्रण तैयार करें और बीजों को निकालने के लिए एक छन्नी का उपयोग करें (यदि आप इसे थोड़ हल्का बनाना चाहते हैं, तो इसकी गूदा तैयार करें)। इसके बाद, अपने स्वाद के अनुसार, स्वादयुक्त (फ्लेवरड) सोडा डालें। यदि आपके पास चीनी का मिश्रण तैयार है, तो आप इसे भी डाल सकते हैं। अंत में नींबू का रस डालें जो इसके स्वाद को और बढ़ा देगा।

कुकुम्बर मोजीतो

खीरा शरीर को ठंडा रखता है, आपने पहले भी सुना होगा। गुणों से भरपूर खीरे को राहत और शीतलता प्रदान करने के लिए जाना जाता है, इतना ही नहीं लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए खीरे के टुकड़ों का इस्तेमाल अपनी आंखों पर करते हैं। आप शराब-रहित ताजा कुकुम्बर मोजीतो भी तैयार कर सकते हैं। खीरे के रस में नींबू का रस और पुदीने की पत्तियों डालें। इन पत्तियों को सबसे ऊपर रखें। पर्यावरण की तरह हरा-भरा अपना पेय तैयार करें।

मैंगो लस्सी

आपकी गर्मियां तब तक समाप्त नहीं होती हैं जब तक आप एक स्वादिष्ट लस्सी का आनंद नहीं लेते हैं। यहाड्डु इसी प्रकार के ऐसे ही पेय पदार्थ के बारे में बता रही हूँ, जिसका स्वाद आपने अभी तक नहीं लिया होगा। आम, दही, पानी और चीनी (या चाशनी) को एक साथ मिलाएं। इसका स्वाद बहुत ही स्वादिष्ट होगा। यदि आपको नमकीन पेय पसंद करते हैं, तो आप इसमें चीनी के बजाय केले और थोड़ा सा नमक डाल सकते हैं। जब आप गर्म और मसालेदार भोजन कर रहे हों, तो यह पेय आपको एक अच्छा स्वाद प्रदान करेगा।

वाइल्डकैट कूलर

ऐसा कौन है जो ब्लूबेरी पसंद नहीं करता होगा? थोड़े पानी में चीनी और ब्लूबेरी एक साथ उबालकर शरबत बनाएं। सबसे पहले, आपको इस पेय में स्वाद लाने के लिए एक गिलास में नींबू का रस डालना होगा और फिर उसमें 1 या 2 औंस (लगभग 50 ग्राम) ब्लूबेरी शरबत डालें। इसके बाद, गिलास को पानी से भर दें। बर्फ और पुदीने की पत्तियों को इसके ऊपर रखें और आपका वाइल्डकैट कूलर पेय तैयार है।

यदि आपके बच्चे सॉफ्ट ड्रिंक के आदी हैं, तो ये पेय पदार्थ स्वस्थ विकल्प के रूप में कार्य करेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बच्चे ठंडक प्रदान करने वाले इस स्वादिष्ट पेय को पीना पसंद करेंगे और बाजार में उपलब्ध अन्य स्वाद वाले पेय को पीने से बचेंगे। अपने रसोईघर में थोड़े नए पेय पदार्थ बनाये और बिल्कुल भी हैरान न हों, जब आपके दोस्त अगले दोपहर के भोजन पर आपकी प्रशंसा करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

रूस ने कोंडोर-एफकेए रडार सैटेलाइट किया लांच

व्लादिवोस्तोक, एजेंसी। रूस ने शनिवार सुबह देश के सुदूर पूर्व की वोस्टोचनी कॉस्मोड्रोम से सोयुज-2.1ए रॉकेट को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। रॉकेट ने कोंडोर-एफकेए नंबर 2 रडार सैटेलाइट को लक्षित कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्नत रडार प्रौद्योगिकी से लैस, कोंडोर-एफकेए उपग्रहों ने ऑल-वेदर, राउंड-द-क्लॉक अर्थ ऑब्जर्वेशन के लिए देश को सक्षम बना दिया है। रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रॉस्कॉस्मॉस ने एक बयान में घोषणा की, दूसरा रडार सैटेलाइट, कोंडोर-एफकेए, ऑर्बिट तक पहुंच गया है! लॉन्च सिस्टम ने योजना के अनुसार काम किया। ऑप्टिकल उपग्रहों के विपरीत, कोंडोर-एफकेए श्रृंखला बादलों के पार से भी धरती पर नजर रख सकती है और अंधेरे में काम कर सकती है। अपनी इस खूबी की वजह से ये सेटेलाइट विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए बहुत सक्षम हैं। इन कार्यों में मैपिंग, पर्यावरण निगरानी, प्राकृतिक संसाधन अन्वेषण, और मार्गदर्शक जहाजों को बर्फ से ढंके मार्गों पर गाइड करना शामिल है, जैसे कि उत्तरी ध्रुवीय रातों के दौरान समुद्री मार्ग में। एनपीओ माशिनोस्ट्रॉयोनिया डिजाइन ब्यूरो द्वारा विकसित कोंडोर श्रृंखला के इन सेटेलाइटों ने अपनी स्थापना के बाद से लगातार प्रगति की है। पहले दो उपग्रहों को 2013 और 2014 में लॉन्च किया गया था, जबकि कोंडोर-एफकेए नंबर 1 ने 2023 में कक्षा में प्रवेश किया था। वर्तमान में दो और उपग्रह निर्माणाधीन हैं, जिसमें तीसरा कोंडोर-एफकेए 2026 में लॉन्च किया जाएगा। प्रत्येक कोंडोर-एफकेए उपग्रह का वजन लगभग 1,050 किलोग्राम होता है और इसकी लाइफ पांच साल की होती है।

सूडान के गांवों पर अर्धसैनिक बलों के हमले में 12 की मौत

खार्तूम, एजेंसी। सूडान के गेजिरा राज्य के गांवों पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमलों में कम से कम 12 लोग मारे गए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, स्थानीय स्वयंसेवी समूह निदा अल-वसत प्लेटफार्म ने कहा कि आरएसएफ ने गुरुवार को पश्चिमी गेजिरा के अल-महेरिबा क्षेत्र में आठ गांवों को निशाना बनाया। इस दौरान वहां के निवासियों पर भारी गोलीबारी और हमले किए। समूह ने एक बयान में कहा, हमलों और गोलाबारी में अब तक मरने वालों की संख्या 12 हो गई है, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। वहीं, आरएसएफ ने आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इससे पहले 24 नवंबर को सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) की छठी इन्फैंट्री डिवीजन ने बताया था कि पश्चिमी सूडान में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमले में कम से कम 15 नागरिक मारे गए थे। जबकि, 20 अन्य घायल हो गए थे। डिवीजन ने एक बयान में कहा था कि आरएसएफ मिलिशिया ने उत्तरी दारफुर प्रांत की राजधानी अल फशेर के नैवाशा बाजार पर 23 नवंबर की शाम को तीन होवित्जर तोपों से हमला किया गया। डिवीजन ने आरएसएफ पर बाजारों और सभा स्थलों पर गोलीबारी करके नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। समाचार एजेंसी शि?न्हुआ के अनुसार, 10 मई से अल फशेर में एसएएफ और आरएसएफ के बीच हिंसक झड़पें चल रही हैं। आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट लोकेशन एंड इवेंट डेटा प्रोजेक्ट के ताजा अपडेट के अनुसार, इस घातक संघर्ष में अब तक 27,120 से अधिक लोगों की मौत को चुकी है। वहीं, 14 मिलियन से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं।

पीएम जॉर्जिया मेलोनी की नीतियों के विरोध में लाखों कर्मचारियों ने की हड़ताल

रोम, एजेंसी। इटली में लाखों श्रमिकों ने प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के 2025 के बजट, महंगाई और कम मजदूरी के विरोध में आठ घंटे की हड़ताल की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, इटली के दो मुख्य ट्रेड यूनियनों, इटालियन जनरल कन्फेडरेशन ऑफ लेबर (सीजीआईएल) और इटालियन लेबर यूनियन (यूआईएल) की तरफ से इस हड़ताल का आयोजन किया गया था। इस हड़ताल में कई क्षेत्रों के कर्मचारी शामिल थे। हालांकि इसमें ट्रेन कर्मचारी शामिल नहीं थे, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में एक अलग विरोध प्रदर्शन किया था। परिवहन मंत्रालय के आदेश के के चलते स्थानीय परिवहन, नौका और वायुमार्ग क्षेत्र के कर्मचारियों ने आठ घंटों के बजाय को चार घंटे तक काम रोका। इसके बावजूद, हड़ताल में महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई। आयोजकों ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों के लगभग 70 प्रतिशत कर्मचारी कार्रवाई में शामिल हुए। इटली की प्रमुख एयरलाइन, आईटीए को 18 अंतरराष्ट्रीय रूट समेत 109 उड़ानें रद्द करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सीजीआईएल के अनुसार, रोम, मिलान, ट्यूरिन, बोलोग्ना और नेपल्स सहित कम से कम 43 शहरों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन और रैलियां हुईं, जिनमें अनुमानित 5,00,000 लोग शामिल हुए।बजट का उद्देश्य इटली के उच्च सार्वजनिक ऋण संबंधी दीर्घकालिक समस्याओं का समाधान करना है।

ट्रम्प सरकार में भारतवंशी काश पटेल होंगे एफबीआई डायरेक्टर

पिछले कार्यकाल में इंटेलिजेंस में काम कर चुके ; गुजराती परिवार से ताल्लुक रखते हैं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जांच एजेंसी 'फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन के अगले डायरेक्टर के लिए भारतवंशी कश्यप काश पटेल के नाम की घोषणा की है। ट्रम्प ने इसकी घोषणा शनिवार को उनके सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए की। इस पोस्ट में ट्रम्प ने काश पटेल के पिछले कामों की तारीफ भी की। इससे पहले काश पटेल ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान रक्षा मंत्रालय में चीफ ऑफ स्टाफ, नेशनल इंटेलिजेंस में डिप्टी डायरेक्टर और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल में आतंकवाद विरोधी कार्यक्रमों के सीनियर डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं।

काश पटेल को बताया अमेरिका फर्स्ट फाइटर : ट्रम्प ने कहा कि मुझे गर्व है कि कश्यप काश पटेल ख़ुफ़िया के अगले डायरेक्टर के तौर पर काम करेंगे। काश एक शानदार वकील, इन्वेस्टीगेटर हैं। काश पटेल की तारीफ करते हुए ट्रम्प ने उन्हें 'अमेरिका फर्स्ट' वाला फाइटर बताया। ट्रम्प ने कहा कि काश पटेल ने अपना करियर भष्ट्राचार को उजागर करते, न्याय और अमेरिकी लोगों की रक्षा करते हुए बिताया है। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका में बढ़ते क्राइम रेट, क्रिमिनल गैंग और बॉर्डर पर होने वाली मानव और ड्रग तस्करी जैसे अपराधों से निपटने के लिए काश पटेल को ये जिम्मेदारी दी गई है।

गुजराती परिवार में जन्मे, माता-पिता युगांडा से भागे : काश पटेल भारतीय प्रवासी के बेटे हैं। उनका जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ था। काश पटेल के माता-पिता युगांडा के शासक ईदी अमीन के देश छोड़ने के फरमान से डरकर 1970 के दशक में भागकर कनाडा के रास्ते अमेरिका पहुंचे थे। 1988 में पटेल के पिता को अमेरिका की नागरिकता मिलने के बाद एक एरोप्लेन कंपनी में नौकरी मिली। 2004 में कानून की डिग्री हासिल करने के बाद जब पटेल को किसी बड़े लॉ फर्म में नौकरी नहीं मिली तो उन्होंने एक सरकारी वकील के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। हालांकि ड्रीम जॉब के लिए उन्हें 9 साल तक इंतजार करना पड़ा। काश पटेल 2013 में वॉशिंगटन में न्याय विभाग में शामिल हुए। यहां तीन साल बाद 2016 में पटेल को खुफिया मामले से जुड़ी एक स्थायी समिति में कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया। इस विभाग के चीफ डेविड नून्स थे, जो ट्रम्प के कट्टर सहयोगी थे। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति रहने के दौरान ट्रम्प ने 2019 में जो बाइडेन के बेटे के बारे में जानकारी जुटाने के लिए यूक्रेन पर दबाव बनाया था। इस वजह से विपक्ष उन पर नाराज हो गया। किसी कानूनी पचड़े से बचने के लिए ट्रम्प ने इस मामले में मदद के लिए सलाहकारों की एक टीम बनाई। इसमें काश पटेल का भी नाम था। तब उनका नाम देख हर किसी को हैरानी हुई थी। काश पटेल 2019 में ट्रम्प प्रशासन से जुड़ने के बाद तरक्की की सीढ़ियां चढ़ते गए। ट्रम्प प्रशासन में वे सिर्फ 1 साल 8 महीने रहे, लेकिन सबकी नजरों में आ गए। मैगजीन द अटलांटिक की एक रिपोर्ट में पटेल को ट्रम्प के लिए कुछ भी करने वाला शख्स बताया गया है। ट्रम्प प्रशासन में जहां पहले से लगभग सभी लोग ट्रम्प के वफादार थे, वहां भी उन्हें ट्रम्प के सबसे वफादार लोगों में गिना जाने लगा था।

इस्कॉन का दावा- बांग्लादेश में एक और हिंदू पुजारी को गिरफ्तार किया गया, केंद्र में तोड़फोड़ की गई

कोलकाता/ढाका, एजेंसी। इस्कॉन कोलकाता के प्रवक्ता राधारमण दास ने दावा किया कि अल्पसंख्यक समुदाय पर लक्षित हमलों की एक श्रृंखला के बीच बांग्लादेश में एक और हिंदू पुजारी को गिरफ्तार किया गया है, और इस्कॉन केंद्र में तोड़फोड़ की गई। यह घटनाक्रम इस सप्ताह की शुरुआत में देशद्रोह के आरोप में एक अन्य भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद पूरे बांग्लादेश में हिंदुओं द्वारा व्यापक विरोध प्रदर्शन के बीच हुआ है। युवा पुजारी, जिसकी पहचान श्याम दास के रूप में हुई है, को कथित तौर पर उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह जेल में चिन्मय दास से मिलने गया था। राधारमण दास ने हैशटैग के साथ ट्वीट किया, क्या वह आतंकवादी जैसा दिखता है? निर्दोष इस्कॉन ब्रह्मचारियों की गिरफ्तारी बेहद चौंकाने वाली और परेशान करने वाली है। हालांकि, श्याम दास की गिरफ्तारी के बारे में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।अगस्त में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से हिंदू समुदाय के सदस्यों पर कड़ी कार्रवाई की गई है। रिपोर्टों के अनुसार, 200 से अधिक मंदिरों को भी निशाना बनाया गया है। इस सप्ताह, बांग्लादेश के अधिकारियों ने इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया, जिसमें चिन्मय कृष्ण दास का खाता भी शामिल है। यह उच्च न्यायालय में इस्कॉन पर प्रतिबंध लगाने की मांग वाली याचिका के साथ मेल खाता है, जिसमें अटॉर्नी जनरल ने संगठन को धार्मिक कट्टरपंथी संगठन कहा है। हालांकि, अदालत ने वैश्विक संगठन पर प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों की गूंज सीमा पार भी हुई है, कोलकाता में बांग्लादेश के उप उच्चायोग के बाहर धार्मिक समूहों द्वारा विरोध प्रदर्शन देखा गया। अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और कहा है कि हिंदुओं के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करना बांग्लादेशी सरकार की जिम्मेदारी है।

बांग्लादेश में इंटरनेट सेवाएं 2 दिसंबर को बाधित रहेंगी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में 2 दिसंबर की रात इंटरनेट सेवाएं तीन घंटे के लिए बाधित रहेंगी। यह रुकावट देश की पहली सबमरीन केबल की मरम्मत के कारण होगी। देश की पहली सबमरीन केबल प्रणाली, जिसे एसईए-एमई-डब्ल्यूई4 कहा जाता है, कॉक्स बाजार जिले में स्थित है, जो राजधानी ढाका से लगभग 400 किमी दक्षिण-पूर्व में है। बांग्लादेश सबमरीन केबल्स पीएलसी के अनुसार, 2 दिसंबर को सुबह 3:00 बजे से लेकर 5:59 बजे तक मरम्मत का काम भारत के चेन्नई लैंडिंग स्टेशन और सिंगापुर के टुआस लैंडिंग स्टेशन के पास किया जाएगा। इस दौरान इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। बांग्लादेश में इंटरनेट बैंडविड्थ मुख्य रूप से दो सबमरीन केबल्स के जरिए आती है, जो गहरे समुद्र से होकर गुजरती हैं। पहली केबल दक्षिण-पूर्वी कॉक्स बाजार में और दूसरी केबल बांग्लादेश के पातुआखाली जिले के कुआकाटा में स्थित है, जो ढाका से लगभग 204 किमी दक्षिण में है। वहीं, बांग्लादेश में गिरफ्तार किए गए इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शियसनेस (इस्कॉन) के संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तार के विरोध में भारत में हो रहे विरोध के बीच इस्कॉन के एक और संत को बांग्लादेश में गिरफ्तार कर लिया गया है। यह जानकारी इस्कॉन कोलकाता के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने दी। राधारमण दास के अनुसार, बांग्लादेश पुलिस ने श्याम दास को भी हिरासत में ले लिया।

अमेरिका से डिफेंस डील नहीं करेगा सऊदी अरब, गाजा युद्ध की वजह से लिया फैसला

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब अमेरिका के साथ बड़ी डिफेंस डील साइन करने की मांग से पीछे हट गया है। इस डील के बदले सऊदी को इजराइल के साथ सामान्य रिश्ते बहाल करने थे। अब वो अमेरिका पर किसी छोटे डिफेंस मिलिट्री कॉरपोरेशन एग्रीमेंट साइन करने के लिए दबाव बना रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक, गाजा युद्ध की वजह से मिडिल ईस्ट और मुस्लिम देशों में इजराइल के खिलाफ गुस्सा है। ऐसे में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) ऐसा कोई बड़ा समझौता नहीं करना चाहते हैं। हालांकि, एमबीएस की शर्त है कि अगर इजराइल फिलिस्तीन देश बनाने के लिए ठोस कदम उठाता है तो वो उसे मान्यता दे सकते हैं। वहीं, रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू यह जानते हैं कि अगर वो हमास को किसी भी तरह की रियायत देते हैं तो उन्हें अपने देश में भारी विरोध का सामना करना पड़ेगा। ऐसे में दोनों नेता अपने-अपने देश की आंतरिक राजनीति में उलझे हुए हैं।

बाइडेन के व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले डील हो सकती है : वेस्टर्न डिप्लोमैट्स ने रॉयटर्स से कहा- इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अभी भी सऊदी अरब के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने के लिए एक्साइटेड हैं। अगर ऐसा होता है तो यह मील का पत्थर साबित होगा। इससे अरब दुनिया में इजराइल को बड़े पैमाने पर एक्सेप्टेंस मिलेगी। सऊदी और अमेरिका को उम्मीद है कि जनवरी में राष्ट्रपति जो बाइडेन के व्हाइट हाउस छोड़ने से पहले एक छोटे डिफेंस मिलिट्री एग्रीमेंट पर साइन हो सकता है। इस समझौते में जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज, डिफेंस इंडस्ट्री में पार्टनरशिप और हाई टेक्निक में सऊदी इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देना शामिल है।

फुल डिफेंस डील को सीनेट में दो तिहाई बहुमत जरूरी : रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी अमेरिकी-सऊदी फुल डिफेंस डील का अमेरिकी सीनेट में दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी है। जब तक सऊदी इजराइल को मान्यता नहीं देता, यह मुमकिन नहीं होगा। इस वक्त जिस समझौते पर बात चल रही है उसमें ईरान के खतरों से निपटने के लिए जॉइंट मिलिट्री एक्सरसाइज शामिल है। यह अमेरिका और सऊदी डिफेंस फर्मों के बीच पार्टनरशिप को बढ़ावा देगा, और चीन-सऊदी की बढ़ती साझेदारी पर लगाम लगाएगा। यह समझौता एग्रीमेंट हाई टेक्नोलॉजी, खास तौर पर ड्रोन इंडस्ट्री में सऊदी निवेश को बढ़ावा देगा। हालांकि, इस डील में अमेरिका पर सऊदी को किसी भी हमले से बचाने की जिम्मेदारी नहीं होगी। इस एग्रीमेंट को लेकर सबसे बड़ी चिंता डोनाल्ड ट्रम्प के व्हाइट हाउस वापस लौटने की है। ट्रम्प कभी भी अलग फिलिस्तीन देश बनाने के समर्थक नहीं रहे हैं। हालांकि, अरब अधिकारियों का मानना है कि ट्रम्प और उनके दामाद जेरेड कुशनेर के मोहम्मद बिन सलमान से काफी अच्छे रिश्ते हैं, ऐसे में वो उन्हें इसके लिए राजी कर लेंगे।

जेलेंस्की बोले- यूक्रेन के कब्जे वाली जमीन नाटो कंट्रोल करे

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने एक इंटरव्यू में यूक्रेन के नियंत्रण वाले हिस्से नाटो के कंट्रोल में देने की बात की है। उनके मुताबिक, अगर नाटो इस इलाके को अपने कंट्रोल में ले लेता है तो युद्ध खत्म हो जाएगा। जेलेंस्की ने ब्रिटेन के स्काई न्यूज से कहा- अगर हम वॉर को हॉट जोन में जाने से रोकना चाहते हैं, तो हमें यूक्रेन के उस हिस्से को नाटो के कंट्रोल में लाना होगा जो हमारे पास है। जेलेंस्की ने एक ऐसा सिस्टम डेवलप करने की जरूरत बताई जिससे यह तय किया जाए कि रूस भविष्य में दोबारा हमला न कर सके। उन्होंने कहा- अगर हम युद्धविराम की बात करते हैं, तो हमें इस बात की गारंटी चाहिए कि पुतिन वापस नहीं आएंगे।

नाटो यूक्रेनी इलाकों के सिक्योरिटी की गारंटी ले : यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा, हमें यह काम तेजी से करना होगा, इसके बाद यूक्रेन डिप्लोमैटिक तरीके से अपने इलाके का दूसरा हिस्सा भी वापस पा लेगा। उन्होंने नाटो से मांग की कि वो यूक्रेन के कंट्रोल वाले इलाके की सिक्योरिटी का गारंटी ले, ताकि वॉर को बढ़ने से रोका जा सके। जेलेंस्की के मुताबिक, वो रूसी कब्जे वाले यूक्रेन के हिस्से वापस पाने के लिए इंतजार करेंगे। अगर किसी समझौते से यूक्रेन के बाकी हिस्सों की सुरक्षा होती है तो यह लड़ाई खत्म हो जाएगी। यह बयान उस वक्त आया है जब दोनों देश एक दूसरे पर खतरनाक मिसाइलों से हमले कर रहे हैं।

ट्रम्प एक दिन में वॉर रुकवाने का दावा कर चुके हैं : अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प के चुनाव जीतने के बाद युद्धविराम और पीस ट्रीटी की चर्चा तेज हो गई है। इलेक्शन कैंपेन के दौरान भी ट्रम्प ने लगातार दावा किया था कि अगर वो राष्ट्रपति बनेंगे तो एक दिन में यूक्रेन वॉर रुकवा देंगे। हालांकि, उन्होंने इस बार में कोई डिटेल जानकारी नहीं दी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युद्ध शुरू होने के बाद से रूस ने यूक्रेन के लगभग 18त्न हिस्से पर कब्जा कर लिया है। युद्ध शुरू होने से पहले जेलेंस्की लगातार पूरे यूक्रेन को नाटो में शामिल करने की मांग कर रहे थे।

जिस खालिस्तानी आतंकी पर दर्ज हैं 70 मुकदमे, उसे कनाडा ने दी जमानत

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की खालिस्तानियों से दोस्ती एक बार फिर चर्चा में है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के मोस्?ट वांटेड गैंगस्टर अर्श डल्ला को कनाडा की अदालत ने महज 30 हजार डॉलर के निजी मुचलके पर जमानत दे दी है। अर्श डल्ला पर भारत में 70 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें कई हत्याओं और आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप हैं। इस फैसले ने एक बार फिर कनाडा में खालिस्तान समर्थक आतंकियों के प्रति सहानुभूति को उजागर किया है। अर्श डल्ला, जो कभी लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य था, अब अपने पुराने सहयोगियों से जानी दुश्मनी बना चुका है। इस मामले की अगली सुनवाई 24 फरवरी 2025 को होगी। भारत सरकार अर्श डल्ला के प्रत्यर्पण के लिए कनाडा से बातचीत की तैयारी कर रही थी, लेकिन अदालत से जमानत मिल जाने के बाद मामला और जटिल हो गया है।

कनाडा में गिरफ्तारी, फिर जमानत : भारत में आतंकी गतिविधियों में लिप्त अर्श डल्ला को कनाडा पुलिस ने 28 अक्टूबर 2024 को गिरफ्तार किया था। वह खालिस्तान टाइगर फोर्स का प्रमुख है और पंजाब के युवाओं को कनाडा बुलाकर आतंकवाद में शामिल करने का आरोप है। पुलिस को उसके पास से कई हाईटेक हथियार भी मिले थे, जिससे उसकी आतंकवादी गतिविधियों की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। अर्श डल्ला पर आरोप है कि वह भारत में हत्याओं और वसूली के मामलों में भी सक्रिय रहा है और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ उसका संपर्क रहा है। भारतीय एजेंसियां उसे भारत लाकर इन मामलों में उसकी जांच करना चाहती हैं।

गोलीबारी और गिरफ्तारी की कहानी : 28 अक्टूबर 2024 की रात कनाडा में एक गोलीबारी की घटना हुई, जिसमें अर्श डल्ला घायल हो गया था। सूत्रों के मुताबिक, वह अपने साथी गुरजंत सिंह के साथ कार में जा रहा था, तभी कार में रखी बंदूक से एक्सिडेंटली गोली चल गई। गोली डल्ला के दाहिने हाथ में लगी और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। डल्ला ने पुलिस को अपनी गिरफ्तारी से पहले एक झूठी कहानी सुनाई थी, जिसमें उसने खुद पर हमले का दावा किया था।

भारत के लिए खतरा : अर्श डल्ला का पूरा नाम अर्शदीप डल्ला है और वह पंजाब के मोगा जिले का निवासी है। भारत में उसकी गिरफ्तारी के बाद उसकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। वह कनाडा में बैठकर भारतीय युवाओं को आतंकवादी समूहों में शामिल करता है और आतंकवादी घटनाओं को अंजाम दिलवाता है। भारत सरकार और सुरक्षा एजेंसियां उसे गिरफ्तार करने और उसके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तत्पर हैं।

सीरिया में रूस ने भी उतार दी सेना, अलेप्पो में घुसे विद्रोहियों पर बरसाए बम

अलेप्पो, एजेंसी। सीरिया के शहर अलेप्पो में इस्लामिक विद्रोहियों के हमले के बाद रूस की सेना राष्ट्रपति बशर अल असद की मदद को उतर पड़ी है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि एयरफोर्स असद की सेना की मदद कर रही है और विद्रोहियों पर हवाई हमले कर रही है। 2020 में गृह युद्ध थमने के बाद एक बार फिर से बशर अल असद के लिए बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। 2011 से 2020 तक चले गृह युद्ध में लाखों लोग मारे गए थे। इसके बाद 2020 में सीजफायर का समझौता हुआ था। हयात तहरीर-अल शाम के लड़ाकों ने 40 फीसदी अलेप्पो शहर पर कब्जा कर लिया है। वहीं शनिवार को ही असद ने अपनी सेना को सुरक्षित निकलने का आदेश दे दिया था। हजारों सीरियाई विद्रोही अत्याधुनिक हथियारों के साथ और वाहनों में सवार होकर अलेप्पो के अंदर फैल गए। स्थानीय निवासियों और लड़ाकों ने यह जानकारी दी।

एक दिन पहले ही विद्रोही सीरिया के सबसे बड़े शहर में घुसे थे, जहां उन्हें सरकारी सैनिकों की ओर से बहुत कम प्रतिरोध का सामना करना पड़ा था। सीरिया के सशस्त्र बलों ने शनिवार को एक बयान में कहा कि अलेप्पो पर बड़े हमले का मुकाबला करने और लोगों की जान बचाने के लिए, उन्होंने फिर से सैनिकों की तैनाती की है और जवाबी हमले की तैयारी कर रहे हैं। बयान में स्वीकार किया गया कि विद्रोही शहर के बड़े हिस्से में घुस आए हैं। द्रोहियों को पुलिस मुख्यालय, शहर के केंद्र और अलेप्पो में उनके पुराने गढ़ के बाहर देखा गया। उन्होंने सीरियाई राष्ट्रपति बशर असद के पोस्टर फाड़ दिए और कुछ को जला दिया। यह घटनाक्रम असद के लिए शर्मिंदगी का सबब बन गया है, जो 2016 में शहर पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने में कामयाब रहे थे। उस वक्त उन्होंने एक भीषण सैन्य अभियान के बाद विद्रोहियों और हजारों नागरिकों को इसके पूर्वी इलाकों से खदेड़ दिया था, जिसमें उनकी सेनाओं को रूस, ईरान और उसके सहयोगी समूहों का समर्थन प्राप्त था। अलेप्पो पर तब से विद्रोहियों ने हमला नहीं किया है। 2016 में अलेप्पो के लिए हुई लड़ाई सीरियाई सरकारी बलों और विद्रोही लड़ाकों के बीच युद्ध में एक महत्वपूर्ण मोड़ थी, जब 2011 में असद के शासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन एक पूर्ण युद्ध में तब्दील हो गया था। विद्रोही गुट के एक लड़ाका अली जुमा ने कहा, मैं अलेप्पो का बेटा हूं। आठ साल पहले हमें यहां से निकाल दिया गया था। अब हम फिर लौट आए हैं और बहुत अच्छा लग रहा है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत भाजपा नेता की आत्महत्या का रहस्य गहराया

आखिरी कॉल में कॉर्पोरेटर चिराग सोलंकी से कहा था, 'मैं आत्महत्या कर रहा हूं' तीन घंटे कॉर्पोरेटर से पूछताछ,

दीपिका का अंतिम संस्कार संपन्न हुआ।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अलथाण के भीमराड़ गांव में रहने वाली भाजपा महिला नेता द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने से पूरे शहर में सनसनी फैल गई है। महिला नेता की आत्महत्या के बाद कई सवाल खड़े हो रहे हैं और विभिन्न आरोप भी लगाए जा रहे हैं। इस बीच, फोरेंसिक पोस्टमॉर्टम से पुष्टि हुई है कि भाजपा महिला नेता ने आत्महत्या ही की थी।

पुलिस द्वारा दर्ज बयान में सामने आया है कि भाजपा के कॉर्पोरेटर चिराग सोलंकी ने ही कमरे का दरवाजा खोलकर लटकती हुई दीपिका को नीचे उतारा था और फिर दुपट्टा अलमारी में रख दिया था। एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लैब) ने घर के अंदर से अलग-अलग सैंपल लिए हैं। इसके अलावा, पंखा और दुपट्टा भी जब्त किया गया है।

इस मामले में कॉर्पोरेटर चिराग सोलंकी से तीन घंटे तक पूछताछ की गई। पूछताछ में यह सामने आया कि दीपिका ने आखिरी कॉल चिराग को किया था और उसमें उन्होंने आत्महत्या करने की बात कही थी। इसके बाद चिराग तुरंत दीपिका के घर पहुंचे।

परिजनों ने निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि दीपिका इतनी कमजोर नहीं थीं कि आत्महत्या कर लें। परिवार ने आरोप लगाया है कि किसी ने उन्हें ब्लैकमेल किया होगा या आत्महत्या के लिए मजबूर किया होगा।

इस मामले में पुलिस ने भी जांच तेज कर दी है और कॉल डिटेल्स की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि घटना के पीछे क्या कारण हो सकता है।

जमीन बिक्री के पैसे को लेकर अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। डीसीपी विजयसिंह गुर्जर ने बताया कि एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लैब) द्वारा जांच की जा रही है। पंखा, दुपट्टा और अन्य सामग्री जब्त की गई है, और नमूने भी लिए गए हैं। घटना की गहन जांच की जा रही है।

चिराग सोलंकी द्वारा दिए गए बयान की भी क्रॉस-वेरिफिकेशन की जा रही है। दीपिका का फोन एफएसएल को भेजा गया है, और कॉल डिटेल्स निकाली जा रही हैं। इसके अलावा, व्हाट्सएप चैट और अन्य सोशल मीडिया पर हुई बातचीत की भी जांच की जा रही है।

परिजनों सहित अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। हालांकि, परिवार की ओर से किसी भी प्रकार के आरोप नहीं लगाए गए हैं। जमीन बिक्री से जुड़े पैसों को लेकर अब तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

देर रात तक दीपिका पटेल का पोस्टमॉर्टम किया गया। इसके बाद शव को कोल्ड स्टोरेज में रखा गया और आज सुबह शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद परिवार दीपिका पटेल के शव को लेकर घर पहुंचा और अंतिम यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और परिजनों ने हिस्सा लिया।

दीपिका पटेल का अंतिम संस्कार उमरा श्मशान घाट पर किया गया।

दीपिका पटेल की आत्महत्या के बाद कई सवाल उठ रहे हैं। घटना के बाद विभिन्न बयान सामने आ रहे हैं और अलग-अलग आरोप भी लगाए जा रहे हैं। हालांकि, पति द्वारा किसी भी प्रकार के आरोप नहीं लगाए गए हैं, जिससे कई चर्चाओं पर विराम लग गया है।

मृतक के परिवार ने निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग करते हुए यह भी दावा किया है कि दीपिका को ब्लैकमेल किया गया था या उन्हें आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया था।

चिराग ने पहले यह कहा था कि उन्होंने दीपिका के बेटे को फोन किया था। इस बयान को लेकर भी पुलिस क्रॉस-वेरिफिकेशन कर रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

दीपिका पटेल की आत्महत्या के बाद कई सवाल उठ रहे हैं। घटना के बाद विभिन्न बयान सामने आ रहे हैं और अलग-अलग आरोप भी लगाए जा रहे हैं। हालांकि, पति द्वारा किसी भी प्रकार के आरोप नहीं लगाए गए हैं, जिससे कई चर्चाओं पर विराम लग गया है।

मृतक के परिवार ने निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग करते हुए यह भी दावा किया है कि दीपिका को ब्लैकमेल किया गया था या उन्हें आत्महत्या के लिए मजबूर किया गया था।

चिराग ने पहले यह कहा था कि उन्होंने दीपिका के बेटे को फोन किया था। इस बयान को लेकर भी पुलिस क्रॉस-वेरिफिकेशन कर रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

पूछताछ के दौरान चिराग ने पुलिस को बताया कि पिछली दोपहर दीपिका ने कॉल करके कहा था कि वह तनाव में हैं और आत्महत्या करने का कदम उठा रही हैं। इसके बाद चिराग ने दीपिका को पांच से सात बार कॉल किया, लेकिन उन्होंने कोई भी कॉल रिसीव नहीं किया।

इस दौरान चिराग ने दीपिका के बड़े बेटे प्रेम को फोन करके कहा कि वह मां की स्थिति की जांच करें। जब प्रेम ने देखा, तो पता चला कि दीपिका ने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया है और वह दरवाजा खोल नहीं रही हैं। यह सुनते ही चिराग तुरंत दीपिका के घर पहुंचे।

दीपिका पटेल की आत्महत्या को लेकर अलग-अलग चर्चाएं हो रही हैं। चिराग और दीपिका के बच्चों ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और दीपिका को लटकी हुई अवस्था में पाया। इसके बाद उन्होंने दीपिका को नीचे उतारा और डॉक्टरों को बुलाकर पुलिस को सूचित किए बिना ही उन्हें सिविल अस्पताल ले गए।

बाद में इस घटना की जानकारी अन्य लोगों को मिली, जिसके बाद वे भी सिविल अस्पताल पहुंचे। सूरत शहर में भाजपा महिला नेता दीपिका पटेल की आत्महत्या को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं। फिलहाल अलथाण पुलिस ने इस मामले में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

दीपिका पटेल के घर पर एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लैब) ने जांच की है। एफएसएल टीम ने घर से अलग-अलग नमूने जुटाए हैं। इसके अलावा, जिस पंखे से दुपट्टा बांधकर दीपिका ने आत्महत्या की थी, उस पंखे और दुपट्टे को भी कब्जे में ले लिया गया है।

साथ ही, दीपिका पटेल के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) भी मंगाए गए हैं। कॉल डिटेल मिलने के बाद मामले से जुड़ी और जानकारियां सामने आने की उम्मीद है।

सूरत सिविल अस्पताल 'दिव्यांग' बना

मरीज ढसडते-ढसडते किडनी बिल्डिंग तक पहुंचा, लोगों का ध्यान जाने के बाद डॉक्टर तक पहुंचाया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत सिविल अस्पताल की लापरवाही बार-बार सामने आती रहती है। इस बार सूरत सिविल अस्पताल में एक वृद्ध दिव्यांग मरीज ढसडते-ढसडते किडनी बिल्डिंग तक पहुंचा, जिसका वीडियो सामने आया है। इस घटना के बाद लोगों का ध्यान आकर्षित होने पर मरीज को डॉक्टर तक पहुंचाया गया था।

यह मामला एक वृद्ध दिव्यांग मरीज का है, जो चलते-फिरते नहीं थे और किसी बीमारी के कारण इलाज के लिए सूरत सिविल अस्पताल पहुंचे थे। हालांकि, जब वे किडनी बिल्डिंग की ओर जा रहे थे, तब अस्पताल में किसी प्रकार की मदद नहीं मिली। पोस्टमॉर्टम रूम के पास यह मरीज ढसडते हुए जा रहा था, जिसे उपस्थित लोगों ने अपने कैमरे में कैद कर लिया। जब अन्य लोगों को इस बारे में जानकारी मिली, तो तुरंत मरीज को डॉक्टर तक पहुंचाया गया।

सूरत सिविल अस्पताल में दिव्यांग मरीजों को कोई सुविधा नहीं मिलने के आरोपों के साथ यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस वीडियो को लेकर अस्पताल की लापरवाही एक बार फिर उजागर हुई है। सूरत सिविल अस्पताल में मरीजों को सुविधा और इलाज देने में लगातार विवाद होते रहते हैं, और अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अस्पताल की और भी लापरवाही सामने आई है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ भारतीय गौ रक्षा मंच ने बैनर लगाए।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के पॉश इलाकों में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में विभिन्न जगहों पर बैनर लगाए गए हैं। ये बैनर भारतीय गौ रक्षा मंच द्वारा लगाए गए हैं, जिन पर लिखा है, "बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार बंद करो।"

भारतीय गौ रक्षा मंच के अध्यक्ष धर्मेश ग्रामि ने कहा, "बांग्लादेश में सनातन धर्म पर कट्टरवादियों द्वारा अत्याचार किए जा रहे हैं। मंदिरों को तोड़ा जा रहा है और हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, जो कि बेहद निंदनीय है। भारत के मुस्लिम समाज और सामाजिक संगठनों को इन कट्टरवादी तत्वों का विरोध करना चाहिए।"

गौ रक्षा मंच के सूत्रों के अनुसार, आने वाले दिनों में सूरत के अन्य इलाकों में भी इसी तरह के बैनर लगाए जाएंगे, ताकि लोगों में जागरूकता बढ़ाई जा सके। इस घटना के बाद मंच ने सामाजिक संस्थाओं और समुदायों से अपील की है कि वे साम्प्रदायिक शांति बनाए रखें और सर्वधर्म समभाव का प्रचार करें। सूरत शहर में बैनर लगाए जाने को लेकर लोगों में विभिन्न प्रतिक्रियाएं आ रही हैं और इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है।

सूरत में एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया, जब वह ट्रांसफॉर्मर पर गिर पड़ा।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

पुलिस और स्वास्थ्य अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायल मजदूर को इलाज के लिए भेज दिया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा उपायों पर सवाल उठने लगे हैं, और संबंधित अधिकारियों से जवाबतलब किया जा रहा है।

सूरत के लिम्बायत क्षेत्र में कई अवैध निर्माणों के खिलाफ नगर निगम द्वारा कार्रवाई की जा रही थी, जिसके चलते गोविंदनगर इंडस्ट्रियल एरिया में सड़क के दोनों किनारों पर बने पांच-पांच फुट अतिरिक्त निर्माण को हटाने की योजना थी। इस कार्यवाही के दौरान, एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया।

गोविंदनगर इंडस्ट्रियल क्षेत्र में DGVCL ट्रांसफॉर्मर पर गिरने के कारण मजदूर को गंभीर चोटें आईं। निगम द्वारा अवैध निर्माण हटाने की प्रक्रिया में, कर्मचारियों द्वारा गैलरी का हिस्सा हटाते समय मजदूर पहले मंजिल से गिर गया और ट्रांसफॉर्मर पर गिरने से उसके पैरों में गंभीर चोट आई। इसके अलावा, ट्रांसफॉर्मर पर गिरने से उसे करंट भी लगा, जिससे उसकी स्थिति और अधिक गंभीर हो गई।

इस घटना के बाद, मजदूर को तुरंत अस्पताल भेजा गया, और उसके इलाज की प्रक्रिया जारी है।

सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया मजदूर के ट्रांसफॉर्मर पर गिरते ही इंडस्ट्रियल क्षेत्र के आसपास के लोग तुरंत दौड़ पड़े। बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और फिर 108 एंबुलेंस को सूचित किया गया। मजदूर को करंट लगने के कारण उसके पैरों में गंभीर चोटें आईं। पहले मंजिल से सीधा गिरने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि कामकाजी मजदूर की सुरक्षा के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई थी।

108 एंबुलेंस की मदद से मजदूर को तुरंत सिविल अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी इलाज प्रक्रिया जारी है।

यह घटना लिम्बायत गोविंदनगर इंडस्ट्रियल क्षेत्र के पहले माले की खाता गैलरी में काम करते वक्त हुई। मजदूर काम करते समय अचानक नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया।

उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

हथियार सप्लायर आरोपी की गिरफ्तारी

क्राइम ब्रांच ने मुख्य आरोपी हिमांशु उर्फ सुज्जू परिहार को मध्यप्रदेश के सतना शहर से गिरफ्तार किया।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत क्राइम ब्रांच ने सारोली पुलिस स्टेशन के आर्म्स एक्ट के मामले में पिछले एक साल से वॉन्टेड हथियार सप्लायर मुख्य आरोपी हिमांशु उर्फ सुज्जू परिहार को मध्यप्रदेश के सतना शहर से गिरफ्तार किया है।

1 अक्टूबर, 2023 को सारोली पुलिस को मिली सूचना के आधार पर नेयोल चेकपॉइंट नाका प्वाइंट से उमाकांत रामजीत मोरिया नाम के व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से दो पिस्टल और एक मैगजीन बरामद हुई थी। पूछताछ में उमाकांत ने बताया कि ये हथियार उसे हिमांशु उर्फ सुज्जू परिहार ने सप्लाई किए थे। इसके बाद आईपीसी की धारा 25(1-b)(a), 29 और जी.पी.ए.क.135 के तहत मामला दर्ज किया गया, लेकिन मुख्य आरोपी हिमांशु इस मामले के बाद से फरार था। जानकारी मिली कि हिमांशु मध्यप्रदेश के सतना शहर में है, और पुलिस टीम ने वहां निगरानी रखकर उसे पकड़ लिया।

हिमांशु उर्फ सुज्जू परिहार का आपराधिक इतिहास भी रहा है। वह पन्ना जिले के गुनौर, देवेंद्रनगर और रीवा क्षेत्र में कई चोरी, लूटपाट और हथियार से संबंधित मामलों में आरोपी है। उसके खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में आठ से अधिक मामले दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी सूरत शहर के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह शहर में हथियार सप्लाई करने वाला मुख्य सूत्रधार था। पुलिस उसकी गिरफ्तारी से हथियार माफिया के और भी सदस्यों तक पहुंचने की कोशिश करेगी।

NDPS केस में सजा भुगतता फरार क़ैदी गिरफ्तार

सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने मजदूर वेश में ओडिशा से 'कालिया' को पकड़ लिया।

लाजपुर जेल से पैरोल पर बाहर आया क़ैदी, डेढ़ साल से फरार था

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत: NDPS एक्ट के तहत 15 साल की सजा पाने वाले और लाजपुर जेल से पैरोल पर बाहर आकर डेढ़ साल से फरार क़ैदी कालूचरण उर्फ कालिया को सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने ओडिशा के गंजाम जिले से गिरफ्तार किया। भारी चक्रवाती तूफान और तेज़ हवाओं के बीच पुलिस ने खेतों में काम कर रहे कालूचरण को मजदूर के वेश में पकड़ लिया।

अठवा पुलिस थाने में NDPS एक्ट की धारा 8(सी), 20(बी), और 29 के तहत मामला दर्ज किया गया था। क़ैदी कालूचरण उर्फ कालिया को 31 जनवरी, 2023 को सत्र न्यायालय द्वारा 15 साल की सजा और 1,25,000 जुर्माने की सजा सुनाई गई थी। अगर जुर्माना नहीं भरा जाता तो उसे 18 महीने और की सजा दी जाती।

केस और क़ैदी की फरारी की कहानी

इस मामले में कालूचरण और उसके तीन साथियों को 30 मई, 2015 को विशाखापट्टनम-गांधीधाम एक्सप्रेस ट्रेन में 108. 25 किलो गांजे (जिसकी कीमत 6,49,500 थी) को सुरत और उत्राण के बीच उतारने के दौरान चेन पुलिंग करते हुए पकड़ा गया था। जेल में सजा काट रहे कालूचरण को 11 अप्रैल, 2023 को 15 दिन की पैरोल दी गई थी, लेकिन पैरोल की समयसीमा खत्म होने के बाद वह जेल में नहीं पहुंचे और फरार हो गए थे।

आखिरकार सफलता मिली

क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि कालूचरण ओडिशा के गंजाम जिले के अपने गांव रामचंद्रपुर में छिपा हुआ है। फरार क़ैदी की तलाश के लिए टीम तुरंत वहां भेजी गई। भारी तूफान और तेज हवाओं के बावजूद, पुलिस ने खेतों में काम करते हुए कालूचरण को मजदूर के वेश में पकड़ लिया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करके क़ानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद लाजपुर मध्यस्थ जेल में भेजने की तैयारी की है।